मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 218
रविवार, 22 फरवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

एआई इम्पैक्ट समिट में भारत का डंका, पीएम मोदी के विजन पर 88 देशों ने लगाई मुहर

नई दिल्ली, 21 फरवरी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को खुशी व्यक्त करते हुए बताया कि राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम में 16 से 20 फरवरी तक आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट के घोषणापत्र पर कुल 88 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने हस्ताक्षर किए हैं। पत्रकारों से बात करते हुए वैष्णव ने कहा कि 86 देशों और दो अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के सिद्धांत को औपचारिक रूप से स्वीकार किया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संपूर्ण विश्व ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मानव-केंद्रित एआई दृष्टिकोण को स्वीकार किया है और एआई संसाधनों के लोकतंत्रीकरण पर सहमति व्यक्त की है ताकि एआई के लाभ और तकनीक विश्व भर में समाज के सभी वर्गों तक पहुंच सकें।

वैष्णव ने कहा कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि एआई इम्पैक्ट समिट की घोषणा पर कुल 88 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने हस्ताक्षर कर दिए हैं, जिसे अब जारी किया जा रहा है। इनमें से 86 देशों और दो अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के सिद्धांत को औपचारिक रूप से स्वीकार कर लिया है। संपूर्ण विश्व ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मानव-केंद्रित एआई दृष्टिकोण को स्वीकार किया है। सभी ने एआई संसाधनों के लोकतंत्रीकरण पर सहमति व्यक्त की है ताकि एआई के लाभ और प्रौद्योगिकी विश्व भर में समाज के सभी वर्गों तक पहुंच सकें। सभी ने इसे स्वीकार किया है।

भारत एआई इम्पैक्ट समिट, ग्लोबल साउथ में आयोजित होने वाला पहला वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन है, जो एआई की परिवर्तनकारी क्षमता पर प्रकाश डालता है और सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय (सभी का कल्याण, सभी का सुख) के राष्ट्रीय दृष्टिकोण और मानवता के लिए एआई के वैश्विक सिद्धांत के अनुरूप है। यह शिखर सम्मेलन एआई के शासन, सुरक्षा और सामाजिक प्रभाव पर वैश्विक सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से विकसित हो रही अंतर्राष्ट्रीय प्रक्रिया का एक हिस्सा है।

भारत एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का आयोजन नई दिल्ली के भारत मंडपम में किया जा रहा है। यह 16 फरवरी को शुरू हुआ और 20 फरवरी, 2026 को समाप्त हुआ। इस शिखर सम्मेलन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर वैश्विक चर्चाओं को आगे बढ़ाने के लिए नई दिल्ली में दुनिया भर के सरकारी नीति निमार्ता, उद्योग के एआई विशेषज्ञ, शिक्षाविद, प्रौद्योगिकी नवप्रवर्तक और नागरिक समाज के प्रतिनिधि एक साथ आए। भारत एआई इम्पैक्ट समिट, जो ग्लोबल साउथ में आयोजित होने वाला पहला वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन है, एआई की परिवर्तनकारी क्षमता पर विचार करता है, जो ₹सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय₹ (सभी के लिए कल्याण, सभी के लिए सुख) की राष्ट्रीय दृष्टि और मानवता के लिए एआई के वैश्विक सिद्धांत के अनुरूप है।

बंद मकान से मिली एक ही परिवार के 5 लोगों के शव, इलाके में मचा हड़कंप

कासगंज, 21 फरवरी। उत्तर प्रदेश के कासगंज से बेहद दुखद खबर सामने आई है। यहां एक ही परिवार के पांच लोगों के शव उनके बंद मकान के अंदर मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि मकान पिछले तीन दिनों से बंद था। जब इतने समय तक घर में कोई हलचल नहीं दिखी, तो पड़ोसियों को शक हुआ और उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

यह मामला कासगंज के अमापुर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, सत्यवीर नाम का व्यक्ति गुप्ता एजेंसी पेट्रोल पंप के पीछे अपने परिवार के साथ रहता था। मकान दो-तीन दिन से बंद था और घर से कोई आवाज या गतिविधि नहीं आ रही थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मकान का ताला तोड़कर अंदर गई। अंदर का दृश्य बेहद दर्दनाक था। घर में पांच लोगों के शव पड़े मिले।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, सत्यवीर ने पहले अपनी पत्नी और बच्चों को जहरीला पदार्थ खिलाया और उसके बाद खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। हालांकि, पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और मौत के सही कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। पुलिस ने सभी पांचों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल से जरूरी सबूत भी जुटाए जा रहे हैं। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आत्महत्या के पीछे क्या वजह थी। आर्थिक तंगी, पारिवारिक तनाव या कोई अन्य कारण से, सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

नेपाल में मस्जिद के सामने संगीत पर भड़की हिंसा, पथराव-आगजनी के बाद कई इलाकों में कर्फ्यू

नेपाल, 21 फरवरी। नेपाल के मधेश प्रांत स्थित Rautahat District में प्रशासन ने कर्फ्यू लगा दिया है। जिला मुख्यालय गौर समेत कई इलाकों में शनिवार दोपहर 1 बजे से अगली सूचना तक आवाजाही और सार्वजनिक गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है। मुख्य जिला अधिकारी दिनेश सागर भुसाल के अनुसार, जिला सुरक्षा समिति के निर्णय के बाद यह कदम उठाया गया।

दो समुदायों के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद यह कर्फ्यू लगाया

गया। घटना गुरुवार शाम गौर नगरपालिका के सपगधा इलाके में हुई। आरोप है कि एक समुदाय के लोगों ने मस्जिद के सामने से गुजर रहे शादी जुलूस में बज रहे संगीत का विरोध किया, जिसके बाद तनाव बढ़ गया। शुक्रवार शाम दोनों पक्षों के बीच छह बिंदुओं पर सहमति बनी थी, लेकिन शनिवार सुबह फिर पथराव शुरू हो गया। झड़प के दौरान एक वाहन में आग लगा दी गई।

इस बारे में The Kathmandu Post ने भी रिपोर्ट प्रकाशित की है।इस हिंसा में कम से कम आठ लोग घायल हुए हैं, जिनमें दो पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। हालात को नियंत्रित करने के लिए बड़ी संख्या में दंगा नियंत्रण पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों से बचने की अपील की है।

कर्नाटक के भाजपा विधायक रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़े गए, गिरफ्तार

कर्नाटक। कर्नाटक के शिरहट्टी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक चंद्रू लामणि को कर्नाटक लोकायुक्त ने कथित तौर पर 5 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ने के बाद गिरफ्तार कर लिया है। यह राशि कथित तौर पर 11 लाख रुपये की कुल मांग का हिस्सा थी। अधिकारियों ने बताया कि लामणि को पहले एक गुप्त ऑपरेशन के बाद पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया और उसके बाद औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में उनके दो निजी सहायकों को भी हिरासत में लिया गया है। लोकायुक्त अधिकारियों के अनुसार, गडग जिले में सिंचाई विभाग की एक लघु परियोजना से संबंधित स्वीकृतियों को सुगम बनाने के लिए कथित तौर पर रिश्वत मांगी गई थी।

इस कार्य में सड़क के दोनों किनारों पर एक रिटेनिंग दीवार का निर्माण शामिल था, जिसे एक ठेकेदार को सौंपा गया था। गडग निवासी प्रथम श्रेणी के ठेकेदार विजय पुजार ने भ्रष्टाचार विरोधी अधिकारियों से संपर्क किया, क्योंकि परियोजना के लिए आवश्यक मंजूरी दिलाने के बदले उनसे कथित तौर पर 11 लाख रुपये मांगे गए थे। शिकायत की पुष्टि करने के बाद, लोकायुक्त पुलिस ने शनिवार को जाल बिछाया।

हरिद्वार में कुंभ मेला 2027 की भव्य तैयारी

हरिद्वार। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शनिवार को कुंभ मेला-2027 की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए हरिद्वार पहुंचे। कुंभ मेला नियंत्रण भवन (सीसीआर) पहुंचने पर मुख्यमंत्री ने कुंभ मेला-2027 के लिए राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित 34 प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं की आधारशिला रखी। अनुमानित 234.55 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इन स्थायी विकास कार्यों का उद्देश्य कुंभ मेले का सफल, सुरक्षित और सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करना और साथ ही हरिद्वार शहर के दीर्घकालिक विकास को मजबूत करना है।

एआई इम्पैक्ट समिट कांग्रेस प्रदर्शनकारी पर इंडिया गठबंधन में दरार? अखिलेश ने झाड़ा पल्ला, मायावती ने भी की कड़ी निंदा

नई दिल्ली, 21 फरवरी। एआई इम्पैक्ट समिट में यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बिना शर्ट पहने घुस जाने के बाद कांग्रेस पार्टी की कड़ी आलोचना हुई। वीडियो में प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं को भारत मंडपम के अंदर शर्ट हाथ में लिए हुए नारे लगाते हुए देखा गया। इस कृत्य की निंदा न केवल केंद्रीय मंत्रियों और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने की, बल्कि अन्य राजनीतिक दलों ने भी की, जिनमें से कई ने वैश्विक मंचों पर राजनीति से ऊपर उठने की आवश्यकता पर बल दिया।

एआई शिखर सम्मेलन में कांग्रेस के विरोध पर समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि हमारे बीच आंतरिक मतभेद हो

सकते हैं, लेकिन वैश्विक मंच पर कांग्रेस ने जो किया वह उचित नहीं था। उन्हें ऐसा कुछ भी नहीं करना चाहिए था जिससे विदेशी प्रतिनिधियों और विश्व प्रतिनिधियों के सामने हमारे देश को शर्मिंदगी उठानी पड़े। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के प्रमुख और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने भी पर लिखा कि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद दुनिया के सामने एकजुटता दिखाना महत्वपूर्ण है।

उन्होंने लिखा कि कल एआई शिखर सम्मेलन में युवा कांग्रेस ने हम सबको शर्मिंदा कर दिया। हमारी राजनीति किस दिशा में जा रही है! किसी को भी हमारे देश का अपमान नहीं करना चाहिए। हमारे राजनीतिक मतभेद चाहे जो भी हों, हमें हमेशा दुनिया के सामने एकजुटता दिखानी चाहिए। हम सबको शर्मिंदा कर दिया। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने शनिवार को युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा एक दिन पहले दिल्ली में एआई इंपैक्ट समिट के दौरान कमीज उतारकर किए गए विरोध-प्रदर्शन को अति-अशोभनीय व निंदनीय करार दिया।

बसपा नेता ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, नयी दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट, जिसमें देश व विदेश के भी काफी प्रमुख लोग आमंत्रित थे तथा यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में था, इस दौरान जिन भी लोगों ने अर्द्धनग्न होकर अपना रोष प्रकट किया है जिसमें अधिकतर कांग्रेसी युवा बताये जा रहे हैं, वह अति-अशोभनीय व निन्दनीय है। उन्होंने कहा, अगर यह सम्मेलन अंतरराष्ट्रीय स्तर का नहीं होता तो अलग बात थी, किन्तु समिट के दौरान ऐसा आचरण करना यह चिंता की बात है अर्थात अपने देश की गरिमा व छवि को ना बिगाड़ा जाये तो यह उचित होगा। भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) के कार्यकर्ताओं के एक समूह ने शुक्रवार को भारत मंडपम के एक प्रदर्शनी हॉल में विरोध-प्रदर्शन किया था, जहां एआई इंपैक्ट समिट का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ नारे लगाए, जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें वहां से हटा दिया था।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद की बढ़ीं मुश्किलें, प्रयागराज कोर्ट ने यौन शोषण केस में दिया एफआईआर का आदेश

प्रयागराज, 21 फरवरी। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज स्थित बलात्कार एवं यौन शोषण विरोधी विशेष न्यायालय के सहायक न्यायाधीश ने पुलिस को ज्योतिष पीठ शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य स्वामी मुकुंदानंद गिरि के खिलाफ यौन शोषण के गंभीर आरोपों के संबंध में एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। न्यायाधीश विनोद कुमार चौरासिया ने पहले की पुलिस निष्क्रियता को खारिज करते हुए झोआंसी पुलिस स्टेशन को मामला दर्ज करने और जांच शुरू करने का निर्देश दिया। इस फैसले से उस विवाद में और भी तीव्रता आ गई है जो माघ मेले के दौरान इन आरोपों के सामने आने के बाद से इस क्षेत्र में व्याप्त है।यह मामला श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट के अध्यक्ष शाकुंभरी पीठाधीश्वर आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज द्वारा सीआरपीसी की धारा 173(4) के तहत 28 जनवरी को दायर याचिका से शुरू हुआ। ब्रह्मचारी ने स्वामी के आश्रम पर बच्चों के सुनियोजित यौन शोषण का आरोप लगाया और दावा किया कि वाराणसी के विद्यामठ में 'गुरु सेवा' की आड़ में नाबालिगों को जबरन यौन कृत्यों के लिए मजबूर किया गया।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L.T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra

ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- MHT-CET
- NEET
- Polytechnic & Engg
- JEE (Main & Advance)
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

भारत का एआई नेतृत्व तकनीक एवं मानवीय मूल्यों का संगम बने

-ललित गर्ग

दिल्ली इन दिनों केवल भारत की राजनीतिक राजधानी भर नहीं, बल्कि उभरती तकनीकी चेतना का वैश्विक केंद्र बनी हुई है। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब प्रयोगशालाओं या कॉरपोरेट दफ्तरों तक सीमित तकनीक नहीं रही, बल्कि वह विकास की नई परिभाषा गढ़ने की दिशा में अग्रसर है। दुनिया के विभिन्न देशों, तकनीकी कंपनियों, शोध संस्थानों और नीति-निर्माताओं की उपस्थिति ने इस सम्मेलन को वैश्विक विमर्श का मंच बना दिया है। यह आयोजन इस तथ्य का उद्घोष है कि भारत केवल उपभोक्ता राष्ट्र नहीं, बल्कि एआई युग का नेतृत्वकर्ता बनने की तैयारी में है। आज विश्व जिस तकनीकी संक्रमण से गुजर रहा है, उसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता निर्णायक भूमिका निभा रही है। स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, व्यापार, प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, शासन और आर्थिक विकास-हर क्षेत्र में एआई समाधान की नई संभावनाएँ खोल रहा है। ऐसे समय में भारत का दृष्टिकोण केवल तकनीकी उन्नति तक सीमित नहीं, बल्कि वह इसे मानव-केंद्रित विकास के साथ जोड़ने का प्रयास कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि तकनीक का अंतिम लक्ष्य मानवता की सेवा होना चाहिए, न कि केवल लाभ और वर्चस्व की दौड़।

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। यदि इस ऊर्जा को गणित, भौतिकी, कंप्यूटर विज्ञान और डाटा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाए तो भारत एआई अनुसंधान और नवाचार में विश्व की अग्रिम पंक्ति में खड़ा हो सकता है। विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों की भूमिका यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। हमें ऐसे संस्थानों की आवश्यकता है जो वास्तविक शोध और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दें, न कि केवल झूठे दावों और विज्ञापन के बल पर प्रतिष्ठा अर्जित करने का प्रयास करें। शिक्षा में पारदर्शिता और गुणवत्ता ही उस आधारशिला को मजबूत करेगी जिस पर भारत का एआई भविष्य खड़ा होगा। यह सवाल उठाया जा रहा है कि भारत आज व्यवहार में एआई व रोबोटिक्स के अनुसंधान में कहां खड़ा है? आखिर गलगोटिया यूनिवर्सिटी के नीति-नियंताओं ने यह क्यों नहीं सोचा कि चीन निर्मित एक रोबोट को अपनी उपलब्धि बताने से देश की प्रतिष्ठा को आंच आएगी? अब यूनिवर्सिटी की तरफ से सफाई दी जा रही है कि उसने रोबोट के निर्माण का दावा नहीं किया। वहीं दूसरी ओर उन सरकारी अधिकारियों की भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए, जिन्होंने बिना जांच-पड़ताल के विश्वविद्यालय को एआई समिट में स्टॉल लगाने की अनुमति क्यों दी। निश्चित रूप से भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक व रोबोटिक उत्पादन के क्षेत्र में ऊंची छलांग लगाई है। युवा शक्ति के देश भारत ने एआई के क्षेत्र में अमेरिका व चीन के बाद अपना तीसरा स्थान बनाया है। जिसकी पुष्टि अंतर्राष्ट्रीय मानक संस्थाओं ने भी की है। लेकिन एक विरोधाभासी हकीकत यह है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ी आबादी का देश है, जहां श्रम शक्ति प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई की भूमिका क्रांतिकारी सिद्ध हो सकती है। रोगों की प्रारंभिक पहचान, सटीक निदान, दवाओं के शोध और ग्रामीण क्षेत्रों में टेलीमेडिसिन सेवाओं के विस्तार में एआई नई संभावनाएँ लेकर आया है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में जहाँ स्वास्थ्य संसाधनों का असमान वितरण है, वहाँ एआई आधारित समाधान दूरस्थ क्षेत्रों तक बेहतर सेवाएँ पहुँचाने में सहायक हो सकते हैं। इसी प्रकार कृषि क्षेत्र में मौसम पूर्वानुमान, मृदा विश्लेषण, फसल प्रबंधन और आपूर्ति श्रृंखला के अनुकूलन में एआई किसानों की आय बढ़ाने और जोखिम कम करने का माध्यम बन सकता है। जलवायु परिवर्तन की चुनौती भी आज मानवता के सामने विकराल रूप में उपस्थित है। चरम मौसम की घटनाएँ, जल संकट और पर्यावरणीय असंतुलन विकास की गति को प्रभावित कर रहे हैं। एआई आधारित मॉडलिंग और डेटा विश्लेषण से प्राकृतिक आपदाओं का पूर्वानुमान, संसाधनों का बेहतर प्रबंधन और टिकाऊ नीतियों का निर्माण संभव है। यदि भारत इन क्षेत्रों में एआई का प्रभावी उपयोग करता है तो वह वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए एक मार्गदर्शक मॉडल प्रस्तुत कर सकता है। शासन और आर्थिक विकास के क्षेत्र में भी एआई पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता बढ़ाने का माध्यम बन सकता है। सार्वजनिक सेवाओं के डिजिटलीकरण, भ्रष्टाचार पर अंकुश, नीति निर्माण में डेटा-आधारित निर्णय और वित्तीय समावेशन के विस्तार में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका है। इससे न केवल प्रशासनिक प्रक्रियाएँ सरल होंगी, बल्कि नागरिकों का विश्वास भी मजबूत होगा। आर्थिक दृष्टि से भी एआई नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति और विनिर्माण क्षेत्र में नई ऊर्जा भर सकता है, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। किन्तु इस उजाले के साथ कुछ गहरी छायाएँ भी हैं। एआई के बढ़ते प्रभाव से रोजगार संरचना में परिवर्तन स्वाभाविक है। अनेक पारंपरिक नौकरियाँ समाप्त हो सकती हैं और नई कौशल-आधारित नौकरियों की माँग बढ़ेगी। यदि कौशल विकास और पुनर्प्रशिक्षण पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो असमानता और बेरोजगारी की समस्या गहरा सकती है। इसी प्रकार डेटा गोपनीयता, साइबर सुरक्षा, डीपफेक और निगरानी जैसे प्रश्न लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए चुनौती बन सकते हैं। तकनीक का दुरुपयोग सामाजिक विभाजन और सूचना के दुष्प्रचार को बढ़ा सकता है।

इसलिए आवश्यक है कि एआई के विकास के साथ नैतिक ढाँचे और नियामक व्यवस्था भी सुदृढ़ हो। भारत को ऐसा मॉडल विकसित करना होगा जिसमें नवाचार की स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व का संतुलन बना रहे। ह्लमानवता केंद्र मेंह्व का सिद्धांत केवल नारा न बने, बल्कि नीति और व्यवहार में परिलक्षित हो। एआई का उपयोग यदि समावेशी विकास, लैंगिक समानता और सामाजिक न्याय के लिए किया जाए तो यह तकनीक समाज के कमजोर वर्गों के लिए अवसरों का द्वार खोल सकती है। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो चीन और अमेरिका एआई के क्षेत्र में तीव्र प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। भारत के सामने चुनौती है कि वह इस दौड़ में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए। भारत का लोकतांत्रिक ढाँचा, विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और विशाल बाजार उसे एक अलग सामर्थ्य प्रदान करते हैं। यदि वह अनुसंधान में निवेश, स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के सुदृढ़ीकरण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्राथमिकता दे तो वह एआई के क्षेत्र में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए सस्ती, सुलभ और मानव-केंद्रित तकनीक उपलब्ध कराकर भारत एक नैतिक नेतृत्व स्थापित कर सकता है। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सम्मेलन केवल विचारों का आदान-प्रदान नहीं, बल्कि भविष्य की संरचना का प्रारूप है। यहाँ से निकले संकल्प यदि नीति और क्रियान्वयन में रूपांतरित होते हैं तो भारत तकनीकी आत्मनिर्भरता की ओर एक बड़ा कदम बढ़ा सकेगा। यह अवसर है कि हम एआई को केवल आर्थिक लाभ का साधन न मानें, बल्कि उसे सामाजिक परिवर्तन और मानव कल्याण के माध्यम के रूप में देखें। आज जब दुनिया में मानवीय मूल्यों का क्षरण चिंता का विषय है, तब भारत के पास अवसर है कि वह तकनीक और नैतिकता के समन्वय का उदाहरण प्रस्तुत करे। एआई का विकास यदि करुणा, समावेशन और सतत विकास के आदर्शों के साथ हो तो यह मानवता के लिए वरदान सिद्ध होगा। भारत को अपने युवाओं, शोधकर्ताओं और नीति-निर्माताओं के माध्यम से यह सुनिश्चित करना होगा कि एआई की यात्रा मानवता के उत्थान की यात्रा बने, न कि केवल प्रतिस्पर्धा और वर्चस्व की। निस्संदेह, ऐसे वक्त में जब कृषि से लेकर चिकित्सा तक और उत्पादन के क्षेत्र में एआई व रोबोटिक्स की दखल बढ़ रही है, प्रचुर श्रमशक्ति की उपलब्धता के बावजूद भारत को समय के साथ कदमताल करनी होगी। हमें एआई व रोबोटिक्स को अपनाना ही होगा। लेकिन सावधानी के साथ ताकि यह नौकरी खाने वाला बनने के बजाय नौकरी देने वाला बने। समय की पुकार है कि हम तकनीकी की प्रगति को राष्ट्रीय संकल्प में बदलें। शिक्षा, अनुसंधान, कौशल विकास और नैतिक नेतृत्व के सहारे भारत एआई युग में एक नई पहचान बना सकता है। यदि हम तकनीकी को स्वीकार कर दूरदर्शिता के साथ आगे बढ़ें तो यह युग भारत के लिए केवल तकनीकी उन्नति का नहीं, बल्कि वैश्विक नेतृत्व और मानवीय पुनर्जागरण का युग सिद्ध हो सकता है।

आस्था की आड़ में बयानबाजी या काशी के विकास पर वैचारिक टकराव?

भारत की आध्यात्मिक राजधानी वाराणसी एक बार फिर धार्मिक और राजनीतिक विमर्श के केंद्र में है। कथित शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानन्द के हालिया बयानों ने राजनीति बनाम पॉलिटिक्स, संत और सरकारी वेतन तथा काशी में मंदिर-घाटों के पुनर्विकास को लेकर नई बहस छेड़ दी है। उनके बयान को परोक्ष रूप से योगी आदित्यनाथ और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे काशी विश्वनाथ कॉरिडोर से जोड़कर देखा जा रहा है। जहां एक ओर उनके समर्थक इसे ह्लपरंपरा की रक्षाह्व का स्वर बता रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कई विद्वान इसे तथ्यहीन और राजनीतिक संकेतों से प्रेरित बयान मान रहे हैं। ऐसे में बड़ा सवाल तो यही है क्या शास्त्रों की व्याख्या आधुनिक शहरी विकास के विरोध का आधार बन सकती है? क्या लोकतंत्र में संत का सामाजिक-राजनीतिक भूमिका निभाना असंगत है? काशी, जो हजारों वर्षों से परिवर्तन और परंपरा के संतुलन का प्रतीक रही है, आज फिर उसी ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी दिखाई देती है, जहां विकास, धर्म और विमर्श तीनों एक साथ उपस्थित हैं

-सुरेश गांधी

भारत की सांस्कृतिक राजधानी वाराणसी सदियों से आध्यात्मिक विमर्शों का केंद्र रही है। यहां धर्म, दर्शन और समाज पर बहसें नई नहीं हैं, लेकिन हाल के दिनों में एक कथित शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानन्द के बयान ने धार्मिक और राजनीतिक विमर्श को फिर से चर्चा के केंद्र में ला दिया है। उन्होंने कहा कि भारत में राजनीति नहीं, पॉलिटिक्स हो रही है, राजा नहीं है तो राजनीति का अर्थ नहीं, संत तनख्वाह नहीं ले सकता, और आधुनिकता के नाम पर काशी के मंदिर-घाट तोड़े जा रहे हैं, जो भविष्य में फिर स्थापित होंगे। उनके इन कथनों को कई लोगों ने परोक्ष रूप से योगी आदित्यनाथ और नरेंद्र मोदी की ओर संकेत माना। खासकर काशी विश्वनाथ मंदिर और काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के व्यापक पुनर्विकास के संदर्भ में यह विवाद और तेज हुआ। ऐसे में सवाल है, क्या उनके तर्क शास्त्रीय और तथ्यात्मक आधार पर सही हैं? क्या राजनीति और पॉलिटिक्स का यह विभाजन वैध है? क्या संत का सरकारी पद या वेतन लेना अनुचित है? और क्या काशी में वास्तव में विध्वंस हुआ है या पुनरुद्धार?

कथित शंकराचार्य का मुख्य तर्क यह है कि राजनीति शब्द का अर्थ राजा की नीति से है, इसलिए जब राजतंत्र समाप्त हो गया तो राजनीति भी समाप्त हो गई और अब विदेशी पॉलिटिक्स चल रही है। क्या यह व्याख्या सही है? संस्कृत में राजनीति शब्द का अर्थ केवल राजा की व्यक्तिगत नीति नहीं बल्कि राज्य संचालन की नीति है। अर्थशास्त्र में कौटिल्य ने राजनीति को राज्य संचालन का विज्ञान बताया। प्राचीन भारतीय ग्रंथों में राजा शब्द का अर्थ सत्ता का प्रतिनिधि था, न कि केवल वंशानुगत शासक। आधुनिक लोकतंत्र में राजा की जगह जनता सर्वोच्च है। इसलिए लोकतंत्र में राजनीति समाप्त नहीं होती बल्कि उसका स्वरूप बदलता है। दूसरी ओर पॉलिटिक्स शब्द ग्रीक शब्द पोलिस से आया है, जिसका अर्थ नगर-राज्य है। इसलिए राजनीति और पॉलिटिक्स मूलतः समानार्थी अवधारणाएँ हैं। यह कहना कि राजा नहीं तो राजनीति नहीं, शास्त्रीय और आधुनिक दोनों दृष्टि से अधूरा तर्क है। कथित शंकराचार्य का दूसरा तर्क था कि संत तनख्वाह नहीं ले सकता, और जो सरकारी वेतन लेता है वह संत नहीं। यह तर्क सीधे तौर पर योगी आदित्यनाथ की ओर संकेत माना गया, जो एक संन्यासी परंपरा से आते हैं और साथ ही लोकतांत्रिक पद पर भी हैं। भारतीय इतिहास में धर्म और शासन का संवाद हमेशा रहा है : आदि शंकराचार्य स्वयं विभिन्न राजाओं के संरक्षण में धर्मसंस्थाओं का संगठन करते रहे। मध्यकाल में मठों और अखाड़ों को राजाओं से अनुदान मिलता था। अनेक संत समाज सुधार और शासन व्यवस्था दोनों से जुड़े रहे। संन्यास का अर्थ व्यक्तिगत वैराग्य है, राजकीय दायित्व से दूरी आवश्यक शर्त नहीं। भारत में कोई व्यक्ति यदि लोकतांत्रिक प्रक्रिया से मुख्यमंत्री बनता है तो उसे वेतन मिलता है, यह व्यक्तिगत नहीं बल्कि संवैधानिक पद का मानदेय है। इसलिए प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि ह्लसंत वेतन ले सकता है या नहींह्व, बल्कि यह कि क्या वह पद की मयार्दा निभा रहा है? सबसे बड़ा विवाद काशी विश्वनाथ मंदिर क्षेत्र के पुनर्विकास को लेकर है। कथित शंकराचार्य ने कहा कि मंदिर-विग्रह और घाट तोड़े जा रहे हैं। वास्तविक तथ्य यह है कि श्रीकाशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर निर्माण के दौरान : सैकड़ों प्राचीन मंदिरों की पहचान की गई, कई मंदिर जो मकानों के भीतर छिप गए थे, उन्हें पुनर्स्थापित किया गया, पुरातत्व विशेषज्ञों की निगरानी में संरचनात्मक संरक्षण किया गया. सरकारी आंकड़ों के अनुसार लगभग 40 से अधिक प्राचीन मंदिर संरक्षित रूप में सामने आए। यह प्रक्रिया डिमॉलिशन नहीं बल्कि डी-एन्क्रोचमेंट और रिस्टोरेशन थी।

वैसे भी काशी में परिवर्तन नया नहीं है। पिछले एक शताब्दी में कई बड़े बदलाव हुए :- 1. औपनिवेशिक काल : ब्रिटिश प्रशासन ने घाटों की संरचनात्मक मरम्मत कराई। कई सड़कें बनाई गईं। 2. स्वतंत्रता के बाद मंदिर मार्गों का विस्तार हुआ। धार्मिक पर्यटन का विकास शुरू हुआ। 3. आधुनिक काल : गंगा घाटों का संरक्षण, शहरी पुनर्विकास, कॉरिडोर परियोजना. यह कहना कि ह्लअब पहली बार परिवर्तन हुआह्व, तथ्यात्मक रूप से गलत है। कथित शंकराचार्य ने कहा कि ह्लपुराणों के अनुसार सब अपने स्थान पर पुनः स्थापित होगा।ह्व ध्यान देने योग्य बात यह है कि पुराण प्रतीकात्मक भाषा में लिखे गए हैं। उन्हें शाब्दिक रूप से आधुनिक निर्माण विवादों पर लागू करना कठिन है। धर्मग्रंथ आस्था का मार्गदर्शन करते हैं, शहरी नियोजन का नक्शा नहीं। उनके बयान में ह्लविदेशी पॉलिटिक्सह्व और ह्लसरकारी संतह्व जैसे शब्दों का प्रयोग यह संकेत देता है कि यह केवल दार्शनिक चर्चा नहीं बल्कि राजनीतिक टिप्पणी भी है। लोकतंत्र में यह अधिकार सभी को है, परंतु जब धार्मिक पद का उपयोग राजनीतिक संकेत देने के लिए किया जाता है, तब विवाद स्वाभाविक है।

शंकराचार्य पद अत्यंत प्रतिष्ठित है। इस परंपरा की शुरूआत आदि शंकराचार्य ने की थी, जिनका उद्देश्य था : वेदांत का प्रचार, धार्मिक एकता, दार्शनिक संवाद. इस पद से अपेक्षा की जाती है कि भाषा संयमित हो, तथ्य स्पष्ट हों, समाज में विभाजन नहीं संवाद हो. यदि कोई व्यक्ति बार-बार राजनीतिक संकेतों के साथ बयान देता है तो उसके कथनों पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। भारत की परंपरा में संत तीन भूमिकाओं में रहे : आध्यात्मिक मार्गदर्शक, सामाजिक सुधारक, नैतिक सलाहकार. लेकिन संत सीधे राजनीतिक संघर्ष का हिस्सा कम ही बने। आज का विवाद इसी संतुलन से जुड़ा है। मतलब साफ है राजनीति और पॉलिटिक्स का अंतर भाषाई है, वैचारिक नहीं, संत द्वारा वेतन पर टिप्पणी शास्त्रीय रूप से निर्णायक नहीं. काशी में व्यापक पुनर्विकास हुआ है, केवल विध्वंस नहीं. फिरहाल, काशी केवल एक शहर नहीं, यह भारतीय सभ्यता का प्रतीक है। यहां परिवर्तन भी होगा और परंपरा भी रहेगी। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर परियोजना ने जहां आधुनिक सुविधाएं दीं, वहीं सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने का प्रयास भी किया। कथित शंकराचार्य का बयान एक वैचारिक दृष्टिकोण हो सकता है, लेकिन उसे अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता। लोकतंत्र में प्रश्न उठाना आवश्यक है, परंतु उतना ही आवश्यक है कि तर्क शास्त्र आधारित हों, तथ्य प्रमाणित हों, भाषा संयमित हो. काशी का इतिहास बताता है कि यह नगरी विरोध नहीं, समन्वय से आगे बढ़ती है। और शायद यही काशी का सनातन संदेश भी है।

रॉबर्ट बैडेन-पावेल की प्रेरणा से सेवा और नेतृत्व का संदेश: स्काउट संस्थापक दिवस

-सुनील कुमार महला

22 फरवरी को स्काउट संस्थापक दिवस या संस्थापक दिवस (फाउंडर्स डे) के रूप में मनाया जाता है। वास्तव में यह दिवस स्काउट आंदोलन के संस्थापक लॉर्ड रॉबर्ट बैडेन-पावेल की जयंती के रूप में मनाया जाता है तथा स्काउट्स और गाइड्स के लिए विशेष महत्व रखता है ।यह दिन उनकी पत्नी तथा विश्व प्रमुख गाइड ओलेव बैडेन-पॉवेल का भी जन्मदिन होता है। पाठकों को बताता चलूं कि भारत में इसे अक्सर 'विश्व चिंतन दिवस' (वर्ल्ड थिंकिंग डे) के साथ जोड़कर भी देखा जाता है। पाठकों को बताता चलूं कि स्काउट्स प्यार से संस्थापक को 'बी.पी.' भी कहते हैं ।इस दिन स्काउट और गाइड अपने 'नियम और प्रतिज्ञा'(स्काउट प्रॉमिस)को दोहराते हैं तथा करोड़ों स्काउट यूनिफॉर्म पहनकर समाज सेवा के कार्य करते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो इस दिन स्काउट और गाइड्स द्वारा सामुदायिक सेवा, रक्तदान, धन जुटाने, ध्वजारोहण और रैलियां आयोजित की जाती हैं। इस दिवस का महत्व यह है कि यह दिवस स्काउटिंग के उन मूल्यों (अनुशासन, देशभक्ति, सेवा) को पुनर्जीवित करता है, जो युवाओं को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करते हैं। यदि हम यहां पर स्काउटिंग,जिसे शांति और भाईचारे का उत्सव भी कहा जाता है, के इतिहास पर नजर डालें तो उपलब्ध जानकारी के अनुसार स्काउटिंग की शुरूआत एक प्रयोगात्मक कैंप से हुई थी। दरअसल, लॉर्ड बेडन पॉवेल ने इंग्लैंड के ब्राउंसी द्वीप पर वर्ष 1907 में पहला कैंप लगाया था। गौरतलब है कि स्काउटिंग की शुरूआत किसी खेल या शौक के रूप में नहीं हुई थी। बैडेन-पॉवेल ने अपने सैन्य अनुभवों से प्रेरणा लेकर युवाओं में चरित्र निर्माण और आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए यह आंदोलन शुरू किया था। पाठकों को बताता चलूं कि स्काउट सैल्यूट के पीछे भी एक अर्थ है। दरअसल,तीन उंगलियों वाला स्काउट सलाम तीन मूल सिद्धांतों क्रमशः ईश्वर और देश के प्रति कर्तव्य, दूसरों की मदद तथा स्काउट नियमों के पालन का प्रतीक है। उल्लेखनीय है कि दुनिया भर के स्काउट्स एक-दूसरे से बाएं हाथ (लेफ्ट हैंड) से हाथ मिलाते हैं। इसके पीछे का तर्क यह है कि बायां हाथ दिल के करीब होता है और यह गहरी मित्रता और विश्वास का प्रतीक है। इसके अलावा, युद्ध के समय योद्धा अपना बचाव करने वाली ढाल (शील्ड) बाएं हाथ में रखते थे; बाएं हाथ से हाथ मिलाने का मतलब था ढाल को नीचे रखना, जो सामने वाले पर पूर्ण विश्वास को दशार्ता है। पाठकों को यह जानकर आश्चर्य होगा कि चंद्रमा पर कदम रखने वाले पहले व्यक्ति नील आर्मस्ट्रांग एक 'ईगल स्काउट' थे। वे अपने साथ चंद्रमा पर स्काउटिंग का बैज भी ले गए थे। रिकॉर्ड के अनुसार, चंद्रमा पर जाने वाले 12 अंतरिक्ष यात्रियों में से 11 किसी न किसी रूप में स्काउटिंग से जुड़े रहे थे। बहुत कम लोग ही यह बात जानते होंगे कि स्काउट जो गले में स्कार्फ पहनते हैं, वह सिर्फ वर्दी का हिस्सा नहीं है, बल्कि इसके पीछे कुछ वैज्ञानिक तथ्य भी हैं। दरअसल, इसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि आपातकालीन स्थिति में इसका उपयोग पट्टियों (बैंडजेज) के रूप में, खून रोकने के लिए, या झुलसे हुए हाथ को सहारा देने के लिए किया जा सके। स्काउट के पास स्कार्फ को बांधने वाला एक छल्ला होता है,जिसे वोगल कहा जाता है। 'गांठ बांधना' (नोटिंग) स्काउटिंग का मुख्य हिस्सा है। इतना ही नहीं, स्काउट बेल्ट अक्सर चमड़े या मजबूत कपड़े की होती है, जिसमें हुक लगे होते हैं ताकि जरूरत पड़ने पर भारी सामान या औजार लटकाए जा सकें। वहीं, बैज स्काउट की दक्षता, उसकी रैंक और उसके द्वारा सीखे गए कौशलों (जैसे प्राथमिक चिकित्सा, तैराकी, खाना बनाना) को दशार्ते हैं ।जब स्काउट कैंपिंग या ट्रेकिंग पर होते हैं, तो उनके पास एक 'सर्वाइवल किट' मौजूद होती है, जिसमें क्रमशः रस्सी (टेंट लगाने, पुल बनाने या किसी को बचाने में प्रयोग),चाकू या पेननाइफ;सीटी(संकट के समय संकेत देने के लिए) तथा कंपास और नक्शा भी मौजूद होता है। इसके अलावा,आपातकालीन सामग्री में क्रमशः फर्स्ट एड बॉक्स,माचिस या फ्लिंट तथा टॉर्च,व्यक्तिगत डायरी और पेन भी प्रत्येक स्काउट के पास होते हैं ।स्काउटिंग इतनी प्रसिद्ध रही है कि फिल्मों तक में इसका प्रभाव देखने को मिलता है। पाठकों को बताता चलूं कि प्रसिद्ध फिल्म निमार्ता स्टीवन स्पीलबर्ग ने अपनी फिल्म 'इंडियाना जोन्स' के मुख्य किरदार को एक स्काउट के रूप में दिखाया था क्योंकि वे स्वयं एक स्काउट थे और फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें अपने पुराने अनुभवों से काफी मदद मिली थी। बहरहाल, यहां यह भी गौरतलब है कि आज स्काउटिंग दुनिया के लगभग हर देश में मौजूद है और करोड़ों युवा इससे जुड़े हैं। वैश्विक स्तर पर इसे वर्ल्ड ऑर्गेनाइजेशन ऑफ द स्काउट मूवमेंट संचालित करता है ।स्काउट का प्रसिद्ध आदर्श वाक्य 'बी प्रिपेयर्ड' यानी कि 'सदैव तैयार रहो' (उपस्थिति और विवेक) प्रत्येक स्काउट कोजीवन के हर क्षेत्र में मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार रहने की प्रेरणा देता है। कहना गलत नहीं होगा कि आज स्काउटिंग सबसे बड़ा स्वैच्छिक युवा संगठन है। दूसरे शब्दों में कहें तो भारत स्काउट्स एंड गाइड्स देश का सबसे बड़ा गैर-राजनीतिक, वदीर्धारी युवा संगठन माना जाता है।

बहरहाल, यदि हम यहां पर अपने देश भारत की बात करें तो भारत विश्व के सबसे बड़े स्काउट सदस्य देशों में से एक है और आज स्कूल आधारित स्काउटिंग कार्यक्रमों के कारण सदस्य संख्या लगातार बढ़ती रहती है ।महामारी, आपदा राहत और सामाजिक अभियानों में स्काउट-गाइड की बड़ी भूमिका रही है। दिलचस्प तथ्य यह है कि भारत का स्काउट संगठन विश्व के 170 से अधिक देशों के स्काउट आंदोलन से जुड़ा हुआ है तथा इसका कार्य क्षेत्र क्रमशः चरित्र निर्माण, सामुदायिक सेवा, आपदा राहत, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता और नेतृत्व प्रशिक्षण है। पाठकों को बताता चलूं कि भारत में स्काउट-गाइड आंदोलन से लगभग 60 लाख से अधिक बच्चे और युवा (विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों और आयोजनों के संदर्भ में) जुड़े हुए बताए जाते हैं ।इसकी स्थापना के बारे में यदि हम यहां पर बात करें तो वर्तमान संगठन का गठन 1950 में हुआ (स्काउट) और 1951 में गाइड संगठन के एकीकरण के बाद पूर्ण रूप से बना।भारत में स्काउटिंग का संचालन मुख्य रूप से भारत स्काउट्स एंड गाइड्स (बीएसजी) द्वारा किया जाता है, जो देश का राष्ट्रीय स्काउट-गाइड संगठन है। गौरतलब है कि पिछले साल यानी कि वर्ष 2025 में आयोजित 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित की गई थी और यह आयोजन भारत स्काउट्स एंड गाइड्स द्वारा किया गया, जिसमें देश-विदेश से लगभग 30-33 हजार स्काउट और गाइड सदस्य शामिल हुए थे ।यह जम्बूरी खास इसलिए भी रही क्योंकि लगभग 61 वर्षों बाद लखनऊ को राष्ट्रीय जम्बूरी की मेजबानी का अवसर मिला ।हाल फिलहाल, यह बता दूं कि 22 फरवरी, 1857 को रॉबर्ट स्टीफनसन स्मिथ बेडन पॉवेल का जन्म हुआ था।1908 में उनकी पुस्तक ' स्काउटिंग फोर ब्वायज' के प्रकाशन के बाद उनका यह आंदोलन पूरी दुनिया में फैल गया। वास्तव में इस दिवस और आंदोलन का मूल उद्देश्य युवाओं का सर्वांगीण विकास(आल राउंड डेवलपमेंट) करना है ।बच्चों में अनुशासन, साहस और आत्मविश्वास, समाज सेवा की भावना, नेतृत्व व मित्रता की भावना व क्षमता पैदा करना तथा उनका चरित्र निर्माण करना इसका वास्तविक उद्देश्य है। यह विश्व बंधुत्व की भावना को जाति, धर्म और देश की सीमाओं से ऊपर उठकर मजबूत और सुदृढ़ करता है ।इस दिवस के लिए

हर साल एक विशेष थीम चुनी जाती है, जो वैश्विक मुद्दों पर आधारित होती है। पिछले साल यानी कि वर्ष 2025 में थीम 'हमारी दुनिया, हमारा साझा भविष्य' रखी गई थी,जिसमें क्रमशः पर्यावरण संरक्षण, लैंगिक समानता तथा शांति स्थापना(भाईचारा और समझ) जैसे बिंदुओं पर जोर दिया गया था ।इस साल यानी कि वर्ष 2026 में इस दिवस की थीम 'हमारी दुनिया, हमारा संपन्न भविष्यः पर्यावरण और वैश्विक गरीबी' रखी गई है।?यह थीम हमें यह सिखाती है कि कैसे पर्यावरण की रक्षा और गरीबी उन्मूलन एक बेहतर भविष्य के लिए जरूरी हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो यह थीम बच्चों को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने, प्रकृति के साथ जुड़ाव (कचरे/अपशिष्ट प्रबंधन, वृक्षारोपण आदि) तथा सतत विकास या यूं कहें कि संसाधनों का इस तरह उपयोग करना कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी वे सुरक्षित रहें आदि के बारे में जागरूक करती है। यह थीम सिखाती है कि हम सिंगल-यूज प्लास्टिक का त्याग करें, पर्यावरणीय शिक्षा के बारे में पूरे समाज को जागरूक व प्रोत्साहित करें तथा ईको-फ्रेंडली कैंपिंग पर जोर दें। वास्तव में यह थीम बच्चों में इस भावना का विकास करती है कि आज पर्यावरण की समस्या किसी एक देश विशेष की ही नहीं है, बल्कि यह पूरी दुनिया की एक बड़ी व साझी समस्या है। अंत में निष्कर्ष के तौर पर यही कहूंगा कि विश्व स्काउट दिवस केवल एक संगठन की वर्षगांठ नहीं है, बल्कि यह लॉर्ड बेडेन पावेल द्वारा स्थापित उन मानवीय मूल्यों को दोहराने का दिन है जो एक अनुशासित और सेवाभावी समाज की नींव रखते हैं। यह दिवस हमें सिखाता है कि निस्वार्थ सेवा, नेतृत्व और 'सदैव तैयार' रहने का संकल्प ही एक श्रेष्ठ नागरिक की असली पहचान है। यदि हम स्काउटिंग के सिद्धांतों को अपने जीवन में उतारें, तो हम न केवल स्वयं का सर्वांगीण विकास कर सकते हैं, बल्कि विश्व शांति और भाईचारे की भावना को भी सशक्त बना सकते हैं।

रफ्तार की कीमत: सड़क पर बुझता युवाओं का भविष्य

-प्रियंका सौरभ

भारत में सड़क हादसों में युवाओं की लगातार हो रही मौतें आज एक ऐसी सच्चाई बन चुकी हैं, जिसे नजरअंदाज करना अब संभव नहीं है। हर दिन अखबारों के पन्ने और न्यूज चैनलों की सुर्खियाँ हमें यह याद दिलाती हैं कि सड़कें कितनी असुरक्षित होती जा रही हैं। इन हादसों में सबसे अधिक प्रभावित युवा वर्ग हो रहा है—वह वर्ग, जिसे देश का भविष्य कहा जाता है। यह स्थिति न केवल दुखद है, बल्कि पूरे समाज के लिए एक गहरी चेतावनी भी है। सड़क दुर्घटनाएँ अचानक होने वाली घटनाएँ नहीं होतीं, बल्कि ये अक्सर मानवीय लापरवाही और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार का परिणाम होती हैं। तेज रफ्तार से वाहन चलाना, यातायात नियमों की अनदेखी करना, गलत दिशा में वाहन ले जाना, नींद या थकान की अवस्था में ड्राइव करना, शराब या नशे का सेवन करके गाड़ी चलाना और ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल—ये सभी कारण मिलकर सड़क को मौत का रास्ता बना देते हैं। चिंताजनक बात यह है कि इनमें से अधिकांश हादसे पूरी तरह रोके जा सकते हैं, यदि थोड़ी-सी सावधानी और समझदारी दिखाई जाए। युवा अवस्था जोश, आत्मविश्वास और जोखिम उठाने की प्रवृत्ति से भरी होती है। यही गुण जब अनुशासन और जिम्मेदारी से जुड़े हों, तो प्रगति का मार्ग बनाते हैं, लेकिन जब यही जोश लापरवाही में बदल जाए, तो विनाश का कारण बनता है। आज कई युवा तेज रफ्तार को शान और नियम तोड़ने को साहस समझने लगे हैं। कुछ नहीं होगा या ह्लमैं संभाल लूँगाह्व जैसी सोच उन्हें खतरनाक फैसले लेने के लिए प्रेरित करती है। दुर्भाग्यवश, एक छोटी-सी गलती पूरे जीवन को समाप्त कर देती है। आधुनिक जीवनशैली और तकनीक ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। मोबाइल फोन आज जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है, लेकिन ड्राइविंग के दौरान इसका इस्तेमाल जानलेवा साबित हो रहा है। एक पल की असावधानी, एक मैसेज पढ़ने या कॉल उठाने की कोशिश कई जिंदगियों को छीन सकती है। इसके बावजूद लोग इस खतरे को गंभीरता से नहीं लेते। यही उदासीनता सड़क हादसों की बढ़ती संख्या का एक बड़ा कारण है। शराब पीकर वाहन चलाना भी भारत में सड़क दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण है। कई लोग इसे अपराध नहीं, बल्कि सामान्य बात समझते हैं। दोस्तों के साथ पार्टी के बाद खुद गाड़ी चलाने का आत्मविश्वास, या यह सोच कि ह्लथोड़ी-सी शराब से क्या फर्क पड़ेगाह्व, अक्सर घातक सिद्ध होती है। नशे की हालत में प्रतिक्रिया समय कम हो जाता है और निर्णय लेने की क्षमता कमजोर पड़ जाती है, जिससे दुर्घटना की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। इसके अलावा, नींद की झपकी और थकान भी एक गंभीर लेकिन अक्सर अनदेखा किया जाने वाला कारण है। लंबी दूरी की यात्रा, रात में ड्राइविंग या लगातार काम के बाद वाहन चलाना शरीर और मस्तिष्क पर भारी पड़ता है। कई हादसे केवल इसलिए हो जाते हैं क्योंकि चालक कुछ सेकंड के लिए झपकी ले लेता है। यह कुछ सेकंड किसी के पूरे जीवन पर भारी पड़ सकते हैं।

सरकार और प्रशासन द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर कई प्रयास किए गए हैं। यातायात नियम बनाए गए हैं, जुमार्ने बढ़ाए गए हैं, हेलमेट और सीट बेल्ट को अनिवार्य किया गया है और जागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि कानून तभी प्रभावी होते हैं, जब लोग उन्हें दिल से स्वीकार करें। केवल डर के कारण नियमों का पालन करना पर्याप्त नहीं है; इसके लिए सोच और व्यवहार में बदलाव जरूरी है। सड़क सुरक्षा को केवल प्रशासन की जिम्मेदारी मान लेना एक बड़ी भूल है। यह हर नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। एक चालक के रूप में हमारी लापरवाही न केवल हमारी जान के लिए खतरा है, बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य लोगों के जीवन को भी जोखिम में डालती है। पैदल चलने वाले, साइकिल सवार, बुजुर्ग, बच्चे—सभी हमारी एक गलती का शिकार बन सकते हैं। परिवार और शिक्षा व्यवस्था की भूमिका भी इस संदर्भ में बेहद महत्वपूर्ण है। अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों को वाहन चलाने की अनुमति देने से पहले उन्हें यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा का सही ज्ञान दें। केवल वाहन चलाना सिखा देना पर्याप्त नहीं है; सुरक्षित और जिम्मेदार ड्राइविंग की आदत डालना जरूरी है। स्कूलों और कॉलेजों में भी सड़क सुरक्षा को लेकर नियमित जागरूकता कार्यक्रम होने चाहिए, ताकि युवा उम्र से ही इन मूल्यों को अपनाएँ। मीडिया की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। फिल्मों और विज्ञापनों में अक्सर तेज रफ्तार और जोखिम भरी ड्राइविंग को रोमांच और बहादुरी के रूप में दिखाया जाता है। इसका प्रभाव युवाओं पर गहरा पड़ता है। जरूरत है कि मनोरंजन के माध्यमों में भी जिम्मेदार संदेश दिए जाएँ और सुरक्षित व्यवहार को बढ़ावा दिया जाए। समाज के स्तर पर भी सोच में बदलाव की आवश्यकता है। हमें यह समझना होगा कि नियम तोड़ना चालाकी नहीं, बल्कि गैर-जिम्मेदारी है। शराब पीकर या बिना हेलमेट के वाहन चलाने वाले को शाबाशी नहीं, बल्कि रोक और समझाइश मिलनी चाहिए। जब तक लापरवाही पर सामाजिक अस्वीकार नहीं होगा, तब तक इस समस्या पर काबू पाना मुश्किल है। आज सड़क हादसों में होने वाली मौतें केवल आंकड़े नहीं हैं। हर मौत के पीछे एक परिवार का उजड़ना, माता-पिता के सपनों का टूटना और समाज की एक संभावनाशील शक्ति का समाप्त होना छिपा होता है। युवा देश की रीढ़ होते हैं। उनकी असमय मृत्यु न केवल परिवार, बल्कि राष्ट्र के लिए भी अपूरणीय क्षति है। इस गंभीर स्थिति से निपटने के लिए हमें व्यक्तिगत, सामाजिक और संस्थागत—तीनों स्तरों पर प्रयास करने होंगे। व्यक्तिगत स्तर पर हर चालक को यह संकल्प लेना होगा कि वह नियमों का पालन करेगा और दूसरों की सुरक्षा का सम्मान करेगा। सामाजिक स्तर पर हमें सुरक्षित ड्राइविंग को संस्कार के रूप में अपनाना होगा। और संस्थागत स्तर पर कानून के प्रभावी क्रियान्वयन और निरंतर जागरूकता की आवश्यकता होगी। अंततः, सड़क पर सुरक्षित रहना केवल अपनी जान बचाने का सवाल नहीं है, बल्कि यह मानवता और जिम्मेदारी का प्रश्न है। थोड़ी-सी सावधानी, धैर्य और अनुशासन न जाने कितनी जिंदगियों को बचा सकता है। अगर हम आज नहीं चेते, तो कल यह त्रासदी किसी भी घर का दरवाजा खटखटा सकती है। युवाओं की ज़िंदगी अनमोल है—इसे लापरवाही की भेंट चढ़ने से बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है।

भिवंडी के बी.एन.एन. कनिष्ठ महाविद्यालय को एससीईआरटी द्वारा ए प्लस दर्जा मिलने पर सम्मान समारोह का किया गया आयोजन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। पद्मश्री अण्णासाहेब जाधव भारतीय समाज उन्नति मंडल द्वारा संचालित बी.एन.एन. कनिष्ठ महाविद्यालय ने शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। महाविद्यालय को राज्य शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, महाराष्ट्र (एससीईआरटी) की ओर से स्कूल गुणवत्ता मूल्यांकन एवं आश्वासन ढांचा (स्क्वैफ) के तहत पहले ही प्रयास में ए प्लस मानांकन प्राप्त हुआ है। यह भिवंडी का पहला कनिष्ठ महाविद्यालय है, जिसे यह गौरव प्राप्त हुआ है। भिवंडी के कुल 59 कनिष्ठ महाविद्यालयों में बी.एन.एन. कनिष्ठ महाविद्यालय ने यह उपलब्धि हासिल कर शैक्षणिक गुणवत्ता में नया मानक स्थापित किया है। वर्ष 2024-25 के दौरान राज्य सरकार द्वारा किए गए मूल्यांकन में महाविद्यालय ने सभी मापदंडों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ए प्लस ग्रेड प्राप्त किया। इस सफलता पर संस्थाध्यक्ष डा. विजय जाधव, कार्याध्यक्ष बालकृष्ण काले, सचिव एडवोकेट रोहित जाधव, आर.एन. पिंजारी सहित सभी पदाधिकारियों ने प्राचार्य, उपप्राचार्य, पर्यवेक्षक, शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों को बधाई दी। शुक्रवार को आयोजित सम्मान समारोह में संस्थाध्यक्ष डा. विजय जाधव, कार्याध्यक्ष बालकृष्ण काले, एड. रोहित जाधव, आर.एन. पिंजारी, प्रबंधक नरेश शिरसाले सहित अन्य मान्यवर उपस्थित रहे। सभी ने महाविद्यालय की टीम को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में और भी ऊंचाइयों को छूने का आह्वान किया। कार्यवाहक प्राचार्य डा. शशिकांत म्हाळुंकर ने कहा कि यह सफलता संस्थाध्यक्ष डा. विजय जाधव द्वारा उपलब्ध कराई गई मजबूत शैक्षणिक आधारभूत सुविधाओं, कार्याध्यक्ष बालकृष्ण काले के सतत मार्गदर्शन तथा शिक्षकों व कर्मचारियों के अथक परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने कहा कि पद्मश्री अण्णासाहेब जाधव का सपना था कि कष्टकरी समाज के बच्चे उच्च शिक्षित बनें, जिसे साकार करने के लिए संस्था निरंतर प्रयासरत है। पर्यवेक्षक श्रीकांत पाटील ने भविष्य में गुणवत्ता को और बेहतर बनाने का विश्वास जताया। कार्यक्रम का प्रस्तावना उपप्राचार्य एम.ओ. महाले ने की, जबकि आभार प्रदर्शन के.पी. अहिरे ने किया। समारोह में महाविद्यालय के सभी शिक्षक व शिक्षकेतर कर्मचारी उपस्थित थे।

पार्टी के दौरान हुई हत्या के सिलसिले में एक साल से फरार आरोपी गिरफ्तार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड पूर्व में विगत 01/01/2025 को लगभग 00:30 बजे, शिकायतकर्ता श्री प्रशांत संजय कुमार पांडे, उम्र 24 वर्ष, निवासी शिव गर्जना बिल्डिंग, शांति गार्डन, मीरा रोड-पूर्व और उनके मित्र राजा परियार और विपुल राय 31 दिसंबर की पार्टी मनाने के लिए अपने दोस्तों के घर एमएचएडीए बिल्डिंग, डेल्टा गार्डन, पांडुरंग वाड़ी, काशीमीरा, मीरा रोड गए थे। उस समय, जब वे उक्त भवन परिसर में लगे साउंड सिस्टम पर नाच रहे थे, शिकायतकर्ता और आशीष जाधव के बीच एक गाना बजाने के कारण बहस हो गई। शिकायतकर्ता से हुई बहस से क्रोधित आशीष जाधव ने अपने दोस्तों को बुलाया और एक अवैध समूह इकट्ठा करके शिकायतकर्ता और उसके दोस्तों को गाली दी और लकड़ी के डंडों से उनकी पिटाई कर दी। इस दौरान, शिकायतकर्ता के मित्र राजा परियार की मृत्यु हो गई और वह भी उसका मित्र विपुल राय के साथ गंभीर रूप से घायल हो गए। शिकायतकर्ता ने काशी मीरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई और भारतीय दंड संहिता, 2023 की धारा 103 (1), 109, 118 (2), 191 (1), 191 (2), 191 (3), 192, 194 (1), 194 (2), 115, 352 के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच में पता चला कि उक्त अपराध के पांचों आरोपी अपराध होने के बाद से ही फरार थे। हालांकि, उपरोक्त अपराध में फरार आरोपियों में से एक, आदेश उर्फ बाला प्रकाश जाधव, के बारे में सूचना प्राप्त होने और तकनीकी विश्लेषण करने के बाद, यह पाया गया कि उक्त आरोपी वाकीपाड़ा, नाइगांव, वसई में रहता है। उक्त आरोपी से गहन पूछताछ के बाद, उसे 19/02/2025 को निसर्गा रेसिडेंसी, वाकीपाड़ा, नाइगांव, तहसील वसई, जिला पालघर से हिरासत में लिया गया और अपराध के अनुसार जांच करने पर उक्त अपराध में उसकी संलिप्तता पाई गई और उसे आगे की जांच के लिए काशीमीरा पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है। माननीय न्यायालय द्वारा उक्त आरोपी को 5 दिनों के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है और उसके खिलाफ आगे की जांच जारी है।

यह कार्य निकेत कौशिक, पुलिस आयुक्त, एम.बी.वी.वी. पुलिस आयुक्त कार्यालय, दत्तात्रय शिंदे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, संदीप डोइफोडे, पुलिस उपायुक्त, अपराध शाखा, मदन बल्लाल, सहायक पुलिस आयुक्त, अपराध शाखा, द्वारा प्रभारी पुलिस निरीक्षक सुशील कुमार शिंदे, सपोनी योगेश काले, सचिन सनप, सफी संजय शिंदे, अविनाश गर्जे, संतोष लांडगे, पुष्पेंद्र थापा, पोहवा सचिन हुले, प्रशांत विस्पुते, सुधीर खोट, पोशी गौरव बारी, सौरभैंगल, मसूब किरण अश्वले के मार्गदर्शन में किया गया।

चिंचणी में बड़े धूमधाम से मनी छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती

पालघर(उत्तरशक्ति)। हिंदवी स्वराज्य के संस्थापक छत्रपती शिवाजी महाराज की जयंती गुरुवार 19 फरवरी को चिंचणी स्थित प्रसिद्ध शिवाजी महाराज चौक पर धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर महाराज की प्रतिमा का विधिपूर्वक पूजन किया गया और महाआरती का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में प्रसिद्ध कवी जगदीश विंदे ने महाराज की वीरता पर आधारित एक शानदार पोवाड़ा प्रस्तुत किया। इस दौरान चिंचणी सरपंच, उपसरपंच, सदस्य, ग्रामविकास अधिकारी, चिंचणी पुलिस स्टेशन प्रभारी शिवकुमार नंदगावे, भूषण संखे, सुतार, वसंत जाधव, राकेश फुले, देवानंद शिंदे सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने कार्यक्रम में शिरकत की। कार्यक्रम को सफल बनाने में निवृत्ति जोशी, शुभम चूरी, दर्शन शिंदे, यश धांगडा, शेर बहादूर यादव आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दौरान नंदगावे सर व आशा मॅडम ने मार्गदर्शन करते हुए सभी उपस्थितजनों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में ग्रामवासियों का भी उत्स्फूर्त सहभाग देखने को मिला, और हर ओर जय शिवराय के उद्घोष गूंजते रहे। इस ऐतिहासिक दिन पर सभी ने जय जिजाऊ जय शिवराय के नारे लगाये।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभु की जीवन प्रवास पर आधारित पुस्तक ध्येयधुंद का लोकार्पण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मैं हमेशा सोचता था कि मेरे जैसे एक सामान्य व्यक्ति से इतने कार्य कैसे हो जाते हैं? तब एहसास होता है कि कहीं न कहीं एक दैवी शक्ति होती है, जो हमसे अच्छे कार्य करवाती है। इसलिए आइए, हम सब मिलकर समाजाभिमुख कार्य करें; उस समय वह दैवी शक्ति निश्चित रूप से हमारे साथ खड़ी रहेगी, ऐसा आह्वान पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभु ने किया। नकुल पार्सेकर द्वारा लिखित और सुरेश प्रभु के जीवनप्रवास पर आधारित ध्येयधुंद पुस्तक का भव्य लोकार्पण समारोह शिवाजी पार्क स्थित स्वातंत्र्यवीर सावरकर राष्ट्रीय स्मारक सभागार में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रभु ने अपने अब तक के सफर में साथ देने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। समारोह में सारस्वत बैंक के अध्यक्ष गौतम ठाकुर, एबीपी माझा के संपादक राजीव खांडेकर, वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउंटेंट प्रफुल्ल छाजेड, कालानिर्णय के कार्यकारी निदेशक जयराज सालगांवकर, नाबॉर्ड के निदेशक सतीश मराठे, शैलेश हरिभक्ति, जिजाऊ संस्था के संस्थापक निलेश साम्ब्रे, स्वामीराज प्रकाशन के रजनीश राणे, जय अल्पसंख्यक ट्रस्ट की अल्पा शाह तथा वर्धमान श्रुतगंगा ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय शाह सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने की, जबकि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने वीडियो संदेश के माध्यम से शुभकामनाएं दीं। गौतम ठाकुर ने अपने भाषण में सुरेश प्रभु की निर्णय क्षमता के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके

अध्यक्षीय कार्यकाल में लिए गए निर्णयों से सारस्वत बैंक ने बड़ी प्रगति की। रविंद्र चव्हाण ने प्रभु को परिस की उपमा देते हुए कहा कि उनके कार्यों से अनेक क्षेत्रों को नई दिशा मिली है। सभी मान्यवरों ने एकमत से कहा कि सुरेश प्रभु ने कभी स्वयं या अपने कार्यों का प्रचार-प्रसार नहीं किया और वे वास्तव में वैश्विक दृष्टि वाले नेता हैं। पुस्तक के लेखक नकुल पार्सेकर ने भी कहा कि प्रभु की एक कार्यकर्ता के रूप में पहचान उनकी ऑक्सफोर्ड डिग्री से भी बड़ी है। ध्येयधुंद पुस्तक के सह-प्रकाशक के रूप में बोलते हुए वर्धमान श्रुतगंगा ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय शाह ने कहा कि श्री वर्धमान श्रुतगंगा ट्रस्ट के लिए आज अत्यंत गर्व और आनंद का दिन है, क्योंकि देश के राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र के एक महान व्यक्तित्व के जीवनप्रवास को पुस्तक रूप में दुनिया के सामने लाने का अवसर मिला है। इसके लिए उन्होंने लेखक नकुलजी पार्सेकर का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सुरेश जी ने जैन समाज के लिए बहुत कार्य किया है, लेकिन उन्होंने कभी उसका श्रेय नहीं लिया। इसलिए आज इस पुस्तक के माध्यम से हम एक बार फिर सुरेश जी से जुड़ पाए हैं - यह हमारे लिए अत्यंत आनंद की बात है। उन्होंने आगे कहा कि जब राजनीति में आदर्शवाद कम होता जा रहा है, तब सुरेश प्रभु आदर्श राजनीति और विकासोन्मुख समाजकारण के मार्ग पर दृढ़ता से आगे बढ़ रहे हैं। स्वामीराज प्रकाशन प्रकाशन क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण संस्था है और मराठी भाषा के लिए उनका चल रहा अभियान स्वागतयोग्य है। भाषा कोई भी हो, वह जीवित रहनी चाहिए, यह हमारा भी आग्रह है, ऐसा शाह ने स्पष्ट किया। इस अवसर पर संजय शाह ने विशेष घोषणा करते हुए बताया कि ह्यध्येयधुंदह्ण पुस्तक का संस्कृत संस्करण शीघ्र ही प्रकाशित किया जाएगा। प्रभु और लेखक की औपचारिक अनुमति के पश्चात आगे की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। मराठी संस्करण के बाद पुस्तक के हिंदी और अंग्रेजी संस्करण भी जल्द प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यक्रम का संचालन अशोक परब ने किया, जबकि मोहन होडावडेकर ने स्वागत समिति की ओर से आभार प्रदर्शन किया। गानचंद्रिका पद्मजा फेणाणी, डॉ. संजय देशमुख सहित विभिन्न क्षेत्रों के अनेक गणमान्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

भिवंडी महापौर चुनाव में फूट का फायदा सेक्युलर फ्रंट को मिला जबकि भाजपा-शिवसेना को हुआ भारी नुकसान

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा के महापौर चुनाव में कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरदचंद्र पवार) के सेक्युलर फ्रंट ने रणनीतिक बढ़त हासिल करते हुए सत्ता पर कब्जा कर लिया। भाजपा के फुटीर गट के नारायण चौधरी महापौर बने, जबकि कांग्रेस के तारिक मोमिन उपमहापौर चुने गे। बतादें कि इस चुनाव का सबसे बड़ा संदेश यह है कि भाजपा और शिवसेना के बीच तालमेल की कमी ने सेक्युलर फ्रंट के लिए रास्ता आसान कर दिया।

आम चुनाव में साथ लड़ने वाली भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना ने महापौर और उपमहापौर पदों पर अलग-अलग उम्मीदवार उतारे, जिसका सीधा नुकसान दोनों को उठाना पड़ा। भाजपा के भीतर हुई क्रॉस वोटिंग निर्णायक साबित हुई। पार्टी के 6 नगरसेवकों के टूटकर नारायण चौधरी के पक्ष में जाने से सत्ता संतुलन पूरी तरह बदल गया। यह परिणाम संकेत देता है कि स्थानीय स्तर पर भाजपा का संगठनात्मक अनुशासन कमजोर हुआ है। वहीं सेक्युलर फ्रंट ने कांग्रेस-राष्ट्रवादी (शरद पवार) और भाजपा फुटीर गट को साथ लाकर संख्याबल की राजनीति को प्रभावी ढंग से साधा। यह जीत केवल अंकगणित नहीं, बल्कि विपक्षी खेमों की आपसी फूट का नतीजा भी मानी जा रही है। आने वाले दिनों में भाजपा-शिवसेना के लिए यह हार आत्ममंथन की चेतावनी है। सेक्युलर फ्रंट की सत्ता से मनपा की राजनीति की दिशा बदल सकती है। आने वाले दिनों में भाजपा के भीतर और टूट या सख्त कार्रवाई की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। कुल मिलाकर, भिवंडी का यह चुनाव स्थानीय राजनीति में गठबंधन, फूट और रणनीति के महत्व को एक बार फिर उजागर करता है।

मीरा भायंदर वसई-विरार पुलिस आयुक्त कार्यालय अंतर्गत पुलिस भर्ती प्रक्रिया का कार्य प्रारंभ

तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर में पुलिस में भर्ती होने के लिए प्रक्रिया चालू है। यह प्रक्रिया बीगत 20/02/2026 से नेताजी सुभाष चंद्र बोस मैदान, भायंदर में हो रहा है। जिसमें (पी.) टी.डी. ठाणे, पिन-401101 में उम्मीदवारों की शारीरिक माप और फील्ड टेस्ट आयोजित किए जा रहे हैं। भर्ती प्रक्रिया के लिए प्रतिदिन सुबह 2500 उम्मीदवारों को बुलाया जा रहा है। भर्ती प्रक्रिया की शुरूआत में उम्मीदवारों को शारीरिक माप और मिट्टी परीक्षण से संबंधित आवश्यक जानकारी और निर्देश दिए जाते हैं और उनके संदेह दूर किए जाते हैं। उम्मीदवारों को प्रतिदिन यह भी समझाया जाता है कि भर्ती प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता नहीं बरती जाएगी और

यदि ऐसा कुछ पाया जाता है, तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से संचालित की जा रही है। उम्मीदवारों को उनके अंक मौके पर ही बता दिए जाते हैं। उनके संदेह दूर किए जाते हैं। उम्मीदवारों को अपील करने का अवसर भी दिया जाता है। चिकित्सा दल तैनात हैं, मीरा भायंदर नगर निगम द्वारा पुलिस भर्ती स्थल पर डॉक्टरों, नर्सों, सहायकों और पुलिस दल सहित एक चिकित्सा दल तैनात किया गया है। इसके अलावा, 100 मीटर और 1600 मीटर दौड़ प्रतियोगिताओं के स्थल पर एक अलग पुलिस चिकित्सा सहायक दल भी तैनात किया गया है। ड्रग निरीक्षण दलः भर्ती स्थल और उसके आसपास के इलाकों में एक ड्रग निरीक्षण दल तैनात किया गया है ताकि उम्मीदवारों द्वारा नशीली दवाओं और उत्तेजक पदार्थों के सेवन और बिक्री पर कड़ी निगरानी रखी जा सके और किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कार्रवाई की जा सके। प्रत्येक फील्ड टेस्ट की वीडियोग्राफी की जा रही है और इसके लिए 69 वीडियो कैमरा मैन की एक टीम तैनात की गई है। मैदान के बाहर यातायात व्यवस्था संभालने के लिए यातायात विभाग की एक पुलिस टीम तैनात की गई है। उम्मीदवारों के लिए मुफ्त बिस्कुट की व्यवस्था की गई है। क्षेत्र परीक्षण पेयजल प्रणाली के सभी संकेतक उम्मीदवार सहायता डेस्क (शिकायत निवारण प्रकोष्ठ) टीम तैनात कर दी गई है। ड्यूटी पर तैनात पुलिस दल के लिए भोजन और चाय की व्यवस्था कर दी गई है। कुल पुलिस भर्ती संख्या 57990 है, जिसमें पुरुष और महिलाएं सामील है। यहां पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर 551 पुलिसकर्मी मुस्तैद है, जिसमें अपर पुलिस आयुक्त, पुलिस उप आयुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त, पुलिस निरीक्षक, पुलिस अमलदार तैनात है।

श्री बड़ी दुर्गा महारानी जी व नर्मदेश्वर महादेव मंदिर का धूमधाम से मनाया गया 10वां स्थापना दिवस

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के बोईसर शहर स्थित धर्मनगरी आजाद नगर में स्थित श्री बड़ी दुर्गा महारानी जी व नर्मदेश्वर महादेव मंदिर का 10वां स्थापना दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन श्री बड़ी दुर्गा महारानी जी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा किया गया, जिसमें पूरे दिन विभिन्न धार्मिक क्रियाएं आयोजित की गई। पंडित राघवेंद्र द्विवेदी के सानिध्य में इस धार्मिक आयोजन में मंत्रोच्चारण, वेदी पूजन, महामृत्युंजय मंत्र जाप, महा रूद्राभिषेक, माता जी की चौकी व हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहा, जो आयोजन का हिस्सा बनकर भगवान भोलेनाथ व मां

भगवती की कृपा प्राप्त की। इसके बाद श्री बड़ी दुर्गा महारानी जी चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से महाप्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें सभी भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर उत्सव का आनंद लिया। इस विशेष आयोजन को सफल बनाने में श्री बड़ी दुर्गा महारानी जी व नर्मदेश्वर महादेव मंदिर के संस्थापक व ट्रस्ट अध्यक्ष जितेन्द्र दुबे, सचिव शंभू भानु शाली, समाजसेवीयों में मिलिंद संखे, आनंद त्रिपाठी, अजय पाण्डेय, संजय ठाकुर, संजय मिश्रा, सुनील मिश्रा, मनोहर सिंह, संजय जैसवाल, राजू श्रीवास्तव, दीपू यादव, आर के सिंह, धर्मेंद्र मौर्या, अशोक सिंह, परमानंदजी प्रसाद, रोहित ओझा, सुरेश चौरसिया, राजेंद्र चौरसिया, सभाजीत यादव, नवदुर्गा ग्रुप की सदस्य सुरेखा निगूढ़, रूपेश ठाकुर का विशेष योगदान रहा।

शिव जयंती पर कवि जनार्दन हशा काकडे व योगगुरु राधेश्याम जयसवार समेत कई हस्तियां सम्मानित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर मुंबई उपनगर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिवरायांची गाथा, मदार्नी शिवकालीन पारंपरिक युद्ध कला, स्वसंरक्षक और लेझीम पथक जैसी प्रस्तुतियाँ दी गईं। इसके अलावा, पदयात्रा का आयोजन भी किया गया, जो जिलाधिकारी सौरभ कटियार की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर, प्रसिद्ध गायक कवि शाहीर जनार्दन हशा काकडे को उनके गीतों और लेखनी के माध्यम से महान पुरुषों के विचारों को जन-जन तक पहुँचाने के लिए जिलाधिकारी सौरभ कटियार के हाथों सम्मानित किया गया। वहीं दि ह्युमन योगा फाउंडेशन, वर्ली मुंबई के अध्यक्ष तथा इंटरनेशनल योग ग्रैंडमास्टर योग गुरु राधेश्याम जयसवार ने पिछले 10 वर्षों से महाराष्ट्र पुलिस डिपार्टमेंट परिमंडल तीन और रिटायर पुलिस अधिकारियों को योग की शिक्षा दी है। उनके इस योगदान के लिए उन्हें जिलाधिकारी सौरभ कटियार द्वारा सम्मानित किया गया। योग गुरु राधेश्याम जयसवार ने

शासकीय कार्यालयों, विद्यालयों व महाविद्यालयों में मुफ्त योग शिविर आयोजित कर युवाओं को मार्गदर्शन प्रदान किया। इस कार्यक्रम में जिलाधिकारी सौरभ कटियार, उपविभागीय अधिकारी पश्चिम उपनगर प्रशांत ढगे, उपविभागीय अधिकारी पूर्व उपनगर कल्पना गोडे, निवासी उपजिलाधिकारी सतीश बागल, उपजिलाधिकारी सुभाष काकडे , तहसीलदार महसूल युवराज बांगर, अपर तहसीलदार अजय पाटील, जिला युवा अधिकारी अनुप इंगोले , रजा राखीव तहसीलदार रिताली परदेशी, तहसीलदार अंधेरी स्नेहलता स्वामी , जिला क्रीडा अधिकारी रश्मी आंबेडकर एवं मेरा युवा भारत श्वेता विशाल काकडे ने भी भाग लिया।

महिंद्रा एक्सीलेंस इन थिएटर अवॉर्ड्स का मार्च में आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारतीय रंगमंच के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार और फेस्टिवल माने जाने वाले महिंद्रा एक्सीलेंस इन थिएटर अवॉर्ड्स (मेटा) का 21वाँ संस्करण 19 से 25 मार्च 2026 तक राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। महिंद्रा समूह द्वारा स्थापित और टीमवर्क आर्ट्स द्वारा प्रतिवर्ष निर्मित मेटा भारतीय रंगमंच की विविधता और रचनात्मकता का उत्सव मनाने वाला प्रमुख राष्ट्रीय मंच है। मेटा सचिवालय ने 2026 के लिए 13 श्रेणियों में नामांकित शीर्ष 10 नाटकों की घोषणा की है। इनका मंचन नई दिल्ली में एक सप्ताह तक होगा और विजेताओं की घोषणा 25 मार्च 2026 को कमानी ऑडिटोरियम में आयोजित अवॉर्ड्स नाइट में की जाएगी। प्रस्तुतियाँ कमानी ऑडिटोरियम और श्रीराम सेंटर में होंगी। इस वर्ष चयनित नाटक सामाजिक सरोकार, पौराणिक पुनर्पाठ, पहचान, लिंग, वर्ग और हाशिये की आवाजों जैसे विषयों पर केंद्रित हैं, जो मिथक, राजनीति, भक्ति और प्रतिरोध की विविध पड़ताल करते हैं। वर्ष 2026 के लिए मेटा को कुल 422 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं, जो इसके इतिहास में अब तक की सबसे अधिक बड़ी संख्या है। ये प्रविष्टियाँ देश भर के विभिन्न शहरों, रंगमंच परंपराओं और प्रस्तुति शैलियों का प्रतिनिधित्व करती हैं। अंतिम सूची में महाराष्ट्र, केरल, पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों की

प्रस्तुतियाँ शामिल हैं, जिनमें हिंदी, मलयालम, बांग्ला, मराठी, हिंदुस्तानी, संस्कृत, बुंदेलखंडी, अंग्रेजी और जिब्रिश जैसी भाषाओं का प्रतिनिधित्व है।

मेटा सचिवालय के सहयोग से चयन समिति ने सभी प्रविष्टियों का मूल्यांकन किया। इस वर्ष की चयन समिति में रंगमंच समीक्षक, संपादक और लेखिका दीपा गहलोत; निर्देशक और नाटककार जिनो जोसेफ; थिएटर मेंटर केवल अरोरा; प्रख्यात रंग निर्देशक और सीनोग्राफर प्रो. सत्यव्रत राउत; तथा क्यूरेटर और रंगकर्मी स्वरूपा घोष शामिल थे।

महिंद्रा समूह के वाइस प्रेसिडेंट एवं कल्चरल आउटरीच हेड जय शाह ने कहा कि मेटा से उनका जुड़ाव कला को सामाजिक संवाद और सांस्कृतिक सहभागिता का सशक्त माध्यम मानने की भावना से प्रेरित है। इस वर्ष के चयनित नाटक समकालीन भारतीय रंगमंच की समृद्धि को दर्शाते हैं। कलाकारों और टीमों का समर्थन करना उनके लिए गर्व की बात है, और यह फेस्टिवल रंगमंच समुदाय के विश्वास व सम्मान का प्रतीक है।

टीमवर्क आर्ट्स के मैनेजिंग डायरेक्टर संजॉय के. रॉय ने कहा कि मेटा उत्कृष्ट कहानियों का उत्सव है और इस वर्ष का चयन भारतीय रंगमंच की विविधता व नए प्रयोगों का सशक्त उदाहरण है। चयनित 10 नाटक विभिन्न भाषाओं और रूपों का प्रतिनिधित्व करते हैं तथा कलाकारों की रचनात्मकता और प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। उन्होंने कमानी और श्रीराम सेंटर में इन प्रस्तुतियों को दर्शकों तक लाने को लेकर उत्साह व्यक्त किया।

टीमवर्क आर्ट्स के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और मेटा के फेस्टिवल प्रोड्यूसर सूरज धींगरा ने कहा कि इस वर्ष रिकॉर्ड प्रविष्टियाँ मिलना बड़ी उपलब्धि है। चयनित नाटक भाषाओं और शैलियों की विविधता प्रस्तुत करते हैं तथा प्रयोगधर्मी से लेकर शास्त्रीय रंगमंच तक दर्शकों को समृद्ध अनुभव देंगे।

आदिवासी क्षेत्रों में माता-बाल मृत्यु दर घटाने हेतु जिला स्तरीय गाभा समिति की बैठक संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले में आदिवासी क्षेत्रों में माता व बाल मृत्यु दर कम करने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड की अध्यक्षता में जिला कार्यालय में हुई, जिसमें जिले के विभिन्न आरोग्य अधिकारी और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े प्रमुख व्यक्ति उपस्थित थे।

इस बैठक में माता और बाल स्वास्थ्य से संबंधित कई मुद्दों पर गहरी चर्चा की गई, जिनमें उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं का समय पर उपचार, संस्थागत प्रसव दर बढ़ाना, नवजात शिशुओं के लिए विशेष देखभाल (एसएनसीयू) और कुटुंब कल्याण कार्यक्रमों की प्रभावी कार्यान्वयन शामिल थे। जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड ने बैठक के दौरान जिले में चल रही विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की और सख्त दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि इन योजनाओं का सही और प्रभावी तरीके से क्रियान्वयन किया जाये। उन्होंने कहा कि इस प्रयास से आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा और बाल एवं मातृ मृत्यु दर में कमी आयेगी।

वर्ष 2024-25 में आदिवासी क्षेत्रों में माता-बाल संगोपन कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को सम्मानित किया गया। जिनमें विशेष रूप से जव्हार स्थित एसएनसीयू केंद्र को राज्य में दूसरा स्थान प्राप्त होने की जानकारी दी गई। इसी तरह डहाणू के सायवन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सर्वाधिक प्रसूति दर के लिए पुरस्कार दिया गया। पालघर जिले के कुटुंब कल्याण कार्यक्रम की सफलता को भी सराहा गया, क्योंकि जिले ने राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। इस अवसर पर डॉ. इंदुराणी जाखड ने स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना की और आदिवासी क्षेत्रों में सेवाओं की गुणवत्ता को और बढ़ाने के लिए उन्हें प्रेरित किया। पालघर में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में और भी सुधार की उम्मीद जताई गई है, ताकि जिले में अधिक से अधिक माताओं और बच्चों को स्वस्थ जीवन मिल सके। इस बैठक में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, जिला शल्यचिकित्सक डॉ. रामदास मराड, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी, सहायक जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शशिकांत सालुंखे, आर.एम.ओ. डॉ. योगेश सुरालकर, माता-बाल संगोपन अधिकारी डॉ. वैदेही मालवी, अतिरिक्त जिला शल्यचिकित्सक डॉ. सचिन वाघमारे के साथ-साथ जिले के सभी ग्रामीण अस्पतालों के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट एवं सभी तहसीलों के तहसील स्वास्थ्य अधिकारी उपस्थित थे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

आभासी न्यायालय से निखरता है व्यक्तित्व और विधिक कौशल: कुलपति

◆ परिश्रम और तैयारी से ही मिलती है सफलता: विवेक कुमार सिंह

◆ पूविवि में आरुषि तलवार हत्याकांड पर आधारित मूट कोर्ट की हुई नाट्य प्रस्तुति

करियर उन्नयन एवं मूट कोर्ट पर विशेष व्याख्यान का भी हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान द्वारा शनिवार को करियर उन्नयन एवं मूट कोर्ट मार्गदर्शन विषय पर विशेष व्याख्यान एवं कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण वर्ष 2008 के चर्चित आरुषि तलवार हत्याकांड पर आधारित आभासी न्यायालय की नाट्य प्रस्तुति रही।

अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने कहा कि आभासी न्यायालय जैसी शैक्षणिक गतिविधियां विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, अभिव्यक्ति कौशल एवं विधिक दक्षता को सुदृढ़ बनाती हैं। उन्होंने कहा कि व्यवहारिक प्रशिक्षण से विद्यार्थी भविष्य की पेशेवर चुनौतियों के लिए पूर्णतया तैयार होते हैं।

मुख्य वक्ता के रूप में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के अधिवक्ता विवेक कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को व्यावसायिक उन्नति, आभासी न्यायालय की उपयोगिता तथा विधि व्यवसाय में सफलता के व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने नियमित अध्ययन, नवीनतम विधिक ज्ञान एवं न्यायालयीन अनुशासन के महत्व पर विशेष बल दिया।

विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता श्री पी.एच. वशिष्ठ ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि एक सफल अधिवक्ता बनने के लिए वाद की गहन तैयारी, तथ्यों की स्पष्ट समझ तथा पेशेवर नैतिकता अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने न्यायालयीन प्रक्रिया, साक्ष्य परीक्षण, जिरह तथा विधिक तर्कों का प्रभावशाली प्रदर्शन कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। इस प्रस्तुति के माध्यम से छात्र-छात्राओं को वास्तविक न्यायिक कार्यवाही की अनुभूति प्राप्त हुई तथा उनके आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। वित्त अधिकारी आत्मा प्रकाश धर द्विवेदी, कुलसचिव केशलाल ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर विनोद कुमार ने अतिथियों का स्वागत, संचालन डॉ. अनुराग मिश्र एवं आभार डॉ. दिनेश सिंह ने व्यक्त किया।

आरुषि तलवार हत्याकांड पर आधारित आभासी न्यायालय में विभिन्न भूमिकाओं में विधि के विद्यार्थी अपर्णा उपाध्याय, प्राची जायसवाल, प्रतीक्षा शुक्ला, अजीत कुमार, ईशांत यादव, अभितांश यादव, अजय बिंद, शिवानी दुबे, अनन्या अग्रहरी, स्नेहा मिश्रा, वैष्णवी त्रिपाठी, हिमांशु, अंकित प्रजापति, अजीत राजभर, सारा फातिमा, खुदैजा शेख, सत्यम यादव, सन्दल फिरदौस अंसारी रहें।

इस अवसर पर प्रो.प्रमोद कुमार यादव, प्रो.देवराज सिंह, प्रो.अविनाश पाथर्डीकर, प्रो.मिथिलेश सिंह, डॉ.दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ.वनिता सिंह, डॉ.प्रियंका कुमारी, मंगला प्रसाद यादव, डॉ.इंद्रजीत, डॉ.अंकित सिंह, डॉ.राजित राम सोनकर, डॉ.प्रमोद कुमार, श्रीप्रकाश यादव, डॉ.राजन तिवारी, डॉ.शुभम सिंह, प्रगति सिंह एवं जीशान अली सहित अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

जौनपुर में जनगणना 2027 की तैयारी तेज

8 हजार से अधिक ग्रामीण व 1 हजार शहरी ब्लॉक तय होंगे, 9800 प्रगणक तैनात किए जाएंगे

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनगणना 2027 की तैयारियों को लेकर जनपद में प्रशासन ने कमर कस ली है। प्रथम जिला स्तरीय जनगणना समन्वय समिति की बैठक 20 फरवरी को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रमुख जनगणना अधिकारी /जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में आगामी जनगणना की चरणबद्ध तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

22 मई से शुरू होगा प्रथम चरण: बैठक में बताया गया कि जनगणना 2027 का प्रथम चरण (फेज-1) 22 मई 2027 से 20 जून 2027 तक संचालित किया जाएगा। इससे पहले 7 मई से 21 मई 2027 तक स्व-गणना (री'ा एल्ल४ी१३ङ्मल्ल) की सुविधा उपलब्ध रहेगी। जिलाधिकारी ने स्व-गणना के व्यापक प्रचार-प्रसार पर जोर देते हुए निर्देश दिए कि अधिक से अधिक नागरिक स्वयं गणना कर इस राष्ट्रीय कार्य में सहभागी बनें।

लखनऊ में होगा मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण: जनपद के लिए मास्टर ट्रेनर्स का चार दिवसीय प्रशिक्षण 24 से 27 फरवरी 2027 तक लखनऊ में आयोजित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 146 फील्ड ट्रेनर्स की नियुक्ति प्रक्रियाधीन है। ये ट्रेनर्स मार्च में प्रशिक्षण प्राप्त कर अप्रैल माह में प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे।

8 हजार ग्रामीण और 1 हजार शहरी गणना ब्लॉक: प्रथम चरण के अंतर्गत जनपद में 8000 से अधिक ग्रामीण तथा 1000 से अधिक शहरी गणना ब्लॉक निर्धारित किए जाएंगे। इसके लिए 9800 से अधिक प्रगणक ब्लॉक और 1600 से अधिक पर्यवेक्षक तैनात किए जाने की तैयारी है। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सभी तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूरी की जाएंगी।

पूरी तरह ऑनलाइन होगी जनगणना: इस बार जनगणना 2027 पूरी तरह ऑनलाइन माध्यम से संपन्न की जाएगी। डाटा संकलन के लिए मोबाइल ऐप और CMMS पोर्टल का उपयोग होगा। ऑनलाइन प्रणाली लागू होने से आंकड़ों के संकलन और प्रकाशन में तेजी आएगी तथा त्रुटियों की संभावना न्यूनतम रहेगी।

Bring Your Own Device थीम पर होगा कार्य: जनगणना 2027 में पहली बार Bring Your Own Device (BYOD) थीम अपनाई जाएगी। इसके तहत कार्मिक अपने स्वयं के मोबाइल या डिवाइस से डाटा संग्रह करेंगे। इससे कार्य में पारदर्शिता, गति और दक्षता सुनिश्चित होगी।

समयबद्ध व त्रुटिरहित तैयारी के निर्देश: जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ समस्त तैयारियां समयबद्ध और त्रुटिरहित ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना राष्ट्रीय महत्व का कार्य है, जिसमें सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मानीकलां में सफाईकर्मी की लापरवाही, रमजान में मस्जिदों के बाहर नहीं हुई सफाई

मानीकलां कस्बे में लगा कूड़ों का अम्बार, जिम्मेदार मौन, सफाई करेगा कौन

इम्तियाज अहमद कि रिपोर्ट

मानीकलां, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड सोधी शाहगंज क्षेत्र के कस्बा मानी कलां में सफाईकर्मी की लापरवाही से स्थानीय निवासी परेशान हैं। रमजान के पवित्र माह में भी मस्जिदों के बाहर सफाई नहीं की गई है। कस्बावासियों का आरोप है कि सफाईकर्मी द्वारा मस्जिदों के बाहर न तो सफाई की गई और न ही चूने का छिड़काव किया गया। जिन मस्जिदों के आसपास सफाई नहीं हुई, उनमें बड़ी जामा मस्जिद, पूरब तरफ मीनार वाली मस्जिद, भुनास वाली मस्जिद और पुराने यूबीआई बैंक के बगल वाली जन्नतुल फिरदौस मस्जिद शामिल हैं।

जहाँ एक तरफ अरबो रुपये सरकार खर्च करती है देश में सफाई के नाम पर वहीं दूसरी ओर कुछ कामचोर सफाई कर्मी भी ऐसे है जो किसी तरह का कुछ काम नहीं करना चाहते है।

इसकी सबसे बड़ी वजह या भी है ग्रामीण क्षेत्रों में उनको लोकल राजनीतिक शरण हासिल होती है। जब भी ग्रामीण उनसे सफाई के लिए कुछ कहते है तो अपना राजनीतिक रसूख दिखाने लगते है। इसी कड़ी में विकास खण्ड सोधी शाहगंज जनपद जौनपुर का कस्बा मानी कलां आता है। यहाँ पर दो दो सफाई कर्मी है मगर सिर्फ नाम के है।

मानी कलां बड़ी जमा मस्जिद से पुराने रास्ते से होते हुए

आपको ईदगाह पर जाना हुआ तो आपको पहले गन्दगी के अम्बार से गुजरना होगा।

इसी तरह महर्षि दयानन्द इण्टर कालेज मानी कलां के रास्ते है। प्रतिदिन हजारों की संख्या में छात्र छात्रा इसे रास्ते से होते हुए स्कूल आते जाते है और नई नई बीमारियों के आपने साथ लेकर विद्यालय और घर चले जाते है। आप जैसे ही गुरैनी से मानी कलां नसीराबाद चौराहा पर प्रस्थान करेंगे सबसे पहले

> शाहगंज सोधी से दूर संचार के माध्यम से सफाई न होने के सम्बन्ध में जब एडीओ पंचायत दीपक यादव से पूछा गया तो उनका कहना था कि मुझे आज ही जानकारी हुई है आपके मध्यम से, अभी मैं ब्लॉक पर पहुंच कर जानकारी लेता हूँ कि मानीकलां में कौन सफाई कर्मी की ड्यूटी है।

आपको चौराहे पर कूड़े पटरी के साइड में मिलेगे, पहले आप कूड़े के दर्शन करे फिर आप अपनी मंजिल की तरह यात्रा करे।

यही हाल बड़ी जामा मस्जिद के कटरे का है ठीक कटरे के सामने आपको गंदगी और मच्छरों का सामना करना पड़ेगा। यही हाल जब आप एजेंसी चौराहे से बस्ती में जायेंगे।

बस्ती से अम्बेडकर मार्ग जाने वाले रास्ते पर नाली भरी मिलेगी कई कई जगह तो पानी ऊपर से निकलने लगता है। आने जाने वाले बस्ती वासियों को कही कठिनाइयाँ होती है। शादी विवाह में और समस्या बढ़ जाती है जब बाहर से आये हुए मेहमानों की नजर पड़ती है। इस दुर्दशा के बारे पूछने लगते है क्या यह कोई सफाई कर्मी नहीं हैं क्या यहाँ तब बहुत शर्मिंदगी होती है।

जब इस सम्बन्ध में उत्तरशक्ति के उप सम्पादक इम्तियाज अहमद ने सफाई कर्मी से दूर संचार के माध्यम से बात की तो सफाई कर्मी का कहना था कि मैं ब्लॉक पर हूं। दूसरे सफाई कर्मी का काल रिसीव नहीं हुआ काई बार कॉल किया गया।

माटीकला कारीगरों को बड़ी सौगात

50 शिल्पियों को निःशुल्क विद्युत चालित चाक व 3 पगमिल वितरित

200 से अधिक प्रतिभागियों की मौजूदगी में जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में माटीकला कारीगरों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से उ०प्र० माटीकला बोर्ड के तत्वावधान में जिला ग्रामोद्योग कार्यालय मतापुर परिसर में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत 50 माटीकला कारीगरों को निःशुल्क विद्युत चालित चाक तथा 3 पगमिल का वितरण किया गया। साथ ही एक दिवसीय माटीकला जागरूकता कार्यक्रम भी संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मनोरमा मौर्या, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद जौनपुर एवं अजीत प्रजापति, जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी उपस्थित रहे। अतिथियों को बुके एवं अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मानित किया गया। उनके द्वारा लाभार्थियों को विद्युत चालित चाक का निःशुल्क वितरण कराया गया। कार्यक्रम में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

जिला ग्रामोद्योग अधिकारी वी.के. सिंह ने माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए कारीगरों को विभिन्न लाभकारी योजनाओं से जुड़ने का आह्वान किया। वहीं डिप्टी कमिश्नर इंडस्ट्रीज आशुतोष सहाय पाठक ने उद्योग विभाग की विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की।

मुख्य अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में केंद्र और राज्य सरकार पारंपरिक कारीगरों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। विभागों द्वारा संचालित लाभप्रद योजनाओं का सीधा लाभ अंतिम पायदान पर खड़े कारीगरों तक पहुंच रहा है। उन्होंने कार्यक्रम की सराहना करते हुए आयोजकों को धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम का संचालन सहायक आयुक्त उद्योग जय प्रकाश ने किया। इस अवसर पर परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी वाराणसी मंडल वाराणसी यू.पी. सिंह, उपायुक्त जिला उद्योग केंद्र जौनपुर, ब्लॉक प्रमुख सुइथाकला डॉ. उमेश चन्द्र तिवारी सहित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी व अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

जिला कारागार में बंद विचाराधीन बंदी की उपचार के दौरान मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला कारागार में बंद विचाराधीन बंदी की उपचार के दौरान मौत हो गई। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि जिला कारागार में विचाराधीन बंदी अजीत कुमार गौतम पुत्र बनवारी लाल गौतम निवासी जो जिले के सरपतहा क्षेत्र के ग्राम मसुधपुर के रहने वाले की तबीयत शुक्रवार सुबह से ही खराब होने लगी। जिला जेल प्रशासन द्वारा काफी विलम्ब से देर यानी दोपहर लगभग एक बजे जिला अस्पताल लाया गया। चिकित्सक ने उसकी बिगड़ती हालत देखकर भर्ती कर लिया। भर्ती हो जाने के बाद भी उसकी हालत बिगड़ती चली गई। देर रात लगभग 9 30 बजे उसकी मौत हो गई। सूत्रों का कथन है कि गुरुवार के दिन सरपतहा थाने की पुलिस ने उसकी चोरी के मामले में चालान किया था। जैसे ही उसकी मौत की खबर जब पहुंची तो घर में कोहराम मच गया।

चंदौली में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने स्कूटी को रौंदा, 12 वर्षीय छात्र की मौत और छात्रा गंभीर

छेमिया रिंग रोड पर मचा कोहराम, टक्कर के बाद पलटी स्कॉर्पियो

चंदौली (उत्तरशक्ति)। जनपद के मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र स्थित छेमिया रिंग रोड पर शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 12 वर्षीय छात्र दिव्यांश तिवारी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 14 वर्षीय छात्रा वैष्णवी गंभीर रूप से घायल हो गई। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि आसपास अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत दोनों बच्चों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने दिव्यांश को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल वैष्णवी की हालत नाजुक उसे ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही एसडीएम और सीओ डीडीयू नगर के साथ चार थानों की पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है।

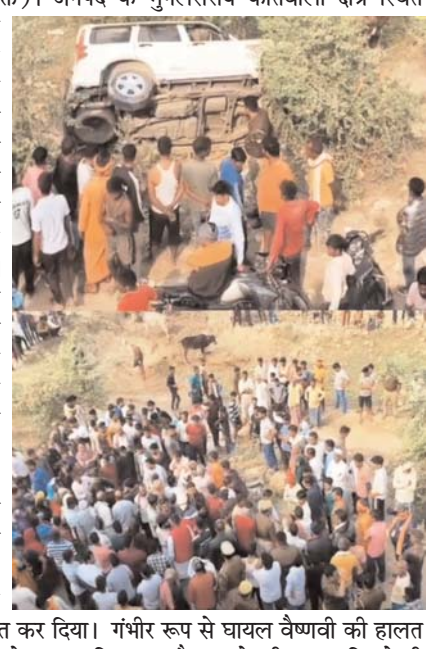

ओवरलोड ट्रालियों से 100 मीटर खड़ंजा व इंटरलॉकिंग मार्ग ध्वस्त, स्कूली बच्चों का आवागमन बाधित

इम्तियाज अहमद

मछलीशहर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर चुंगी चौराहा स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा मड़ियाहूं रोड, मीरपुर खास ग्राम सभा मीरपुर खास में श्यामलाल कबाड़ी की दुकान से वीरेंद्र गौतम के घर तक लगभग 100 मीटर खडंजा तथा वीरेंद्र गौतम के घर से मतऊ के बगीचा तक बना इंटरलॉकिंग मार्ग पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। मानक के विपरीत निर्माण और ओवरलोड बड़ी ट्रॉलियों से मिट्टी ढुलाई के कारण सड़क जगह-जगह धंस गई है, जिससे राहगीरों और स्कूली बच्चों के लिए आवागमन जोखिमभरा बन गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि बाहर से मिट्टी लाने-ले जाने में लगी ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉलियां लगातार इस मार्ग से गुजर रही हैं। भारी वाहनों के दबाव से इंटरलॉकिंग ईंटें उखड़ गई हैं और खड़ंजा धंस गया है। कई स्थानों पर गड्ढे बन जाने से बरसात में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो रही है, जिससे दुर्घटना की आशंका बढ़ गई है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे और क्षेत्रीय लोग गुजरते हैं। सड़क जर्जर होने से बच्चों को गिरने और चोटिल होने का खतरा बना रहता है। लोगों ने प्रशासन से क्षतिग्रस्त मार्ग की तत्काल मरम्मत, ओवरलोड वाहनों पर रोक तथा जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

लंका के एक गेस्ट हाउस में छापेमारी

देह व्यापार में लिप्त 6 आरोपी गिरफ्तार आपत्तिजनक सामग्री और 10 हजार रुपये से ज्यादा नकद बरामद

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट द्वारा शहर में अनैतिक और अवैध गतिविधियों पर लगातार सख्त कार्रवाई के तहत 20 फरवरी 2026 को एक और बड़ी सफलता हासिल हुई, जब पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट के विशेष हेल्पलाइन नंबर 9670705555 पर प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर एसओजी-2 (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप-2) की टीम ने लंका थाना क्षेत्र स्थित रेनबो गेस्ट हाउस पर त्वरित और सुनियोजित छापेमारी की, जहां लंबे समय से अवैध देह व्यापार का धंधा बड़े पैमाने पर संचालित हो रहा था; सूचना की पुष्टि होते ही एसीपी मुख्यालय के नेतृत्व में टीम ने मौके पर दबिश देकर आपत्तिजनक स्थिति में तीन महिलाओं को पकड़ा और साथ ही एक ग्राहक, दो ब्रोकर (दलाल), होटल संचालक तथा भवन स्वामी को भी गिरफ्तार कर लिया, जिससे कुल छह मुख्य आरोपियों को हिरासत में लिया गया जबकि तीन महिलाओं को भी इस मामले में शामिल कर जांच की जा रही है; छापेमारी के दौरान पुलिस ने गेस्ट हाउस से 9 टच स्क्रीन मोबाइल फोन, 3 कीपैड मोबाइल, पेटीएम और गूगल पे के क्यूआर कोड, पेटीएम पेमेंट मशीन, रजिस्टर, अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज और सामग्री जब्त की, साथ ही 4 यूज्ड तथा 21 अनयूज्ड कंडोम बरामद हुए और तलाशी में कुल 10,070 रुपये नकद भी पुलिस को मिले, जो इस अवैध कारोबार की आर्थिक गतिविधियों की पुष्टि करते हैं

गिरफ्तार मुख्य आरोपियों में मुहम्मद जफर उर्फ राज उर्फ गुड्डू (56 वर्ष, ब्रोकर, निवासी न्यू मवईपुर खुर्द मुगलसराय चंदौली), राजू यादव (24 वर्ष, ब्रोकर, निवासी चकपालपुर कैंट थाना सिद्धारी आजमगढ़), जितेंद्र कुमार (25 वर्ष, होटल संचालक, निवासी सराय मोहना थाना सारनाथ वाराणसी), सुनील कुमार (42 वर्ष, ग्राहक, निवासी रामपुर प्राइमरी स्कूल रामनगर वाराणसी) और अनिल पांडेय (60 वर्ष, भवन स्वामी, निवासी थाना लंका वाराणसी) शामिल हैं; थाना लंका पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की सुसंगत धाराओं के साथ अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और जांच में इस रैकेट के बड़े नेटवर्क, अन्य दलालों, नियमित ग्राहकों तथा संभावित स्रोतों का पता लगाने के लिए गहन पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया जा रहा है; पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई वाराणसी की पवित्र नगरी की छवि को सुरक्षित रखने, समाज में फैले ऐसे अनैतिक और आपराधिक धंधों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा आमजन की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने की दिशा में उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ती है, साथ ही पुलिस ने शहरवासियों से अपील की है कि यदि उन्हें ऐसी किसी भी संदिग्ध या अवैध गतिविधि की जानकारी मिले तो बिना किसी हिचकिचाहट के गोपनीय रूप से हेल्पलाइन नंबर 9670705555 पर सूचना प्रदान करें ताकि तुरंत प्रभावी कार्रवाई संभव हो सके।

बेटावर घाट पर दाह संस्कार में गए दो लोग स्नान करते समय गंगा में डूबे

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया स्थानीय थाना क्षेत्र के बेटावर घाट पर बंदेपुर गांव के दाह संस्कार में गए दो लोग स्नान करते समय गंगा में डूब गये। प्राप्त जानकारी के अनुसार लाल लालजी पटेल पुत्र निरहू पटेल निवासी बंदेपुर की माता जी का दाह संस्कार बेटावर घाट पर हो रहा था, दाह संस्कार में आए रिश्तेदार अजीत कुमार पटेल पुत्र तेजू पटेल निवासी परमानंदपुर थाना शिवपुर वाराणसी उम्र लगभग 19 वर्ष तथा दूसरा हर्ष पटेल पुत्र भाई लाल पटेल निवासी परमानंदपुर थाना शिवपुर वाराणसी उम्र लगभग 15 वर्ष नहाते समय गंगा नदी में डूब गए । घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे रोहनिया थाना प्रभारी राजू सिंह व एनडीआरएफ टीम तथा क्षेत्रीय गोताखोर की मदद से दोपहर लगभग 12 बजे से शाम को लगभग 6 बजे तक गहन तलाशी के दौरान दोनों डूबे हुए मिले व्यक्तियों के शव को अपने कब्जे में लेकर बीएचयू स्थित ट्रामा सेंटर में भेजा।

नकल कराने के आरोप पर छात्रों की पिटाई, छात्रों ने स्कूल के बाहर किया हंगामा

सूचना पाकर मौके पर पहुंचे एसीपी राजातालाब अजय श्रीवास्तव

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के राजातालाब पयागपुर स्थित श्रीप्रकाश इंटरमीडिएट कॉलेज में शुक्रवार को इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा के दौरान नकल के आरोप पर छात्रों की पिटाई का मामला सामने आया है। छात्रों का आरोप है कि कॉलेज के कर्मचारियों और शिक्षकों ने उनकी पिटाई की और परीक्षा में गड़बड़ी छिपाने का प्रयास किया।घटना के बाद छात्रों ने पंचकोशी मार्ग पर हंगामा किया और स्कूल की मान्यता निरस्त करने की मांग की। पीड़ित छात्रों ने बताया कि कॉलेज प्रशासन ने उनके साथ जबरन मारपीट की और परीक्षा में गड़बड़ी छिपाने का प्रयास किया। छात्रों के परिजन भी मौके पर पहुंच गए और स्कूल प्रबंधन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे एसीपी राजातालाब अजय श्रीवास्तव तथा राजातालाब पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में कर जांच शुरू कर दी।एसीपी राजातालाब ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

चैन स्नेचिंग की घटना का खुलासा, गौराबादशाहपुर पुलिस ने तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

रियाजुल हक

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय पुलिस ने क्षेत्र में हुई सोने की चैन चोरी की घटना का त्वरित खुलासा करते हुए शनिवार को तीन वांछित आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई मुखबिर की सूचना पर शनिवार सुबह करीब 05:58 बजे गोपालपुर मोड़ स्थित रेलवे अंडरपास के पास से की। जानकारी के अनुसार, बीते 20 फरवरी को बगथरी निवासी प्रेमनाथ यादव ने अपनी पत्नी की चैन चोरी होने के संबंध में थाने में तहरीर दी थी, जिस पर धारा 303(1) बीएनएस के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया था। पकड़े गए आरोपियों की पहचान अमन यादव (20 वर्ष) पुत्र लालसाहब यादव निवासी बघधरी, शिवा यादव (20 वर्ष) पुत्र रामभवन यादव निवासी गंगौली (केराकत) और विनीत दुबे पुत्र उमाकान्त दुबे निवासी बघधरी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्तों ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। आवश्यक विधिक कार्यवाही पूरी करने के पश्चात आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

चोरी के मुकदमे में आरोपी गिरफ्तार, कब्जे से एक टैबलेट बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थानाध्यक्ष मीरगंज नेतृत्व में थाना मीरगंज पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक-21.02.2026 को थाना हाजा पर पंजीकृत मु0अ0सं0-15/2026 धारा-305, 331(4), 317(2) बी0एन0एस0 से सम्बन्धित चोरी गये टैबलेट व प्रकाश में आये आरोपी रोहित कुमार गौतम पुत्र मगरु राम निवासी ग्राम मीरपुर थाना मीरगंज जनपद जौनपुर को उसके घर ग्राम मीरपुर से गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0 न्यायालय जौनपुर भेजा गया।

युवक ने खाया कीटनाशक दवा हुई मौत

दिनेश विश्वकर्मा

मीरगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के मीरगंज थाना क्षेत्र के स्थानीय कस्बे में कीटनाशक खाकर युवक ने आत्महत्या कर लिया। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि स्थानीय के निवासी अल्तमश शाह का 22 वर्षीय पुत्र मोहम्मद तबरेज शनिवार सुबह लगभग 8:00 बजे कीटनाशक का सेवन कर लिया। कीटनाशक का सेवन करने से जब उसकी हालत बिगड़ने लगी तब परिजन उसे लेकर पास के निजी चिकित्सक के यहां ले गए जहां चिकित्सक ने उसे बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। परिजनों द्वारा उसे जिला अस्पताल लाया जा रहा था कि उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। जिला अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय थाने की पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। आत्महत्या का कारण का पता नहीं कर सका जिसे लेकर क्षेत्र में अलग-अलग चचाएं तेजी से चल रही है।

तेज रफ्तार गन्ना लदे ट्रैक्टर की टक्कर से युवती की मौत

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद के महाराजगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत महाराजगंज बिलरियागंज मार्ग पर स्थित बासथान मोड़ के पास शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार गन्ना लदे ट्रैक्टर ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार युवती की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शोभा पुत्री शिवबचन अपने चचेरे भाई के साथ मोटरसाइकिल से बिलरियागंज से महाराजगंज की ओर जा रही थी। इसी दौरान सामने से आ रहे गन्ना लदे ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि युवती असंतुलित होकर सड़क पर गिर पड़ी और ट्रॉली के पहिये की चपेट में आ गई, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने ट्रैक्टर और मोटरसाइकिल को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे के बाद मृतका के चचेरे भाई का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं परिजनों में भी शोक की लहर दौड़ गई है। कोतवाली प्रभारी केदार नाथ मौर्या ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इधर, क्षेत्रीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क पर तेज रफ्तार और ओवरलोड वाहनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

प्रधानमंत्री मोदी ने जेवर में इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड की आधारशिला रखी

पटना(उत्तरशक्ति)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्रेटर नोएडा के जेवर स्थित यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण में एचसीएल ग्रुप और फॉक्सकॉन के संयुक्त उद्यम, इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड की आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट सुविधा की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से शामिल हुए। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भारत सरकार में रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव भी उपस्थित रहे। इनके साथ एचसीएल ग्रुप की चेयरपर्सन रोशनी नाडर मल्होत्रा और होन हाई टेक्नोलॉजी ग्रुप (फॉक्सकॉन) के सेमीकंडक्टर बिजनेस ग्रुप के अध्यक्ष बॉब चेन भी शामिल हुए। एचसीएल ग्रुप की चेयरपर्सन रोशनी नाडर मल्होत्रा ने कहा कि हम भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार के अटूट समर्थन के लिए अत्यंत आभारी हैं। यह परियोजना एचसीएल ग्रुप की विकास यात्रा में एक नया अध्याय है और भारत की तकनीकी एवं विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र में हमारे योगदान को और मजबूत करती है। हम उत्तर प्रदेश में अपनी प्रतिबद्धता को और गहरा करने पर गर्व महसूस करते हैं। एचसीएल और फॉक्सकॉन दोनों ही नवाचार, परिशुद्धता और वैश्विक मानकों पर आधारित उत्कृष्ट विनिर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह साझेदारी भारत की सेमीकंडक्टर क्षमताओं को आगे बढ़ाने और गुणवत्ता व परिचालन उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित करने का लक्ष्य रखती है।

यूपी बोर्ड की कॉपियों को पहुंचाने में लापरवाही

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से परीक्षाओं के बाद उत्तर पुस्तिकाओं की सुरक्षा के लिए निर्धारित नियमों का पालन नहीं हो रहा है। विद्यालय के जिम्मेदार बिना पुलिसकर्मी के उत्तर पुस्तिकाएं स्कूटी पर संकलन केंद्र पर लेकर पहुंच रहे हैं। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा परीक्षाओं को सकुशल संपन्न कराने को लेकर किए जा रहे दावों की जमीनी हकीकत कुछ और ही नजर आ रही है। नियमों के अनुसार परीक्षा के बाद उत्तर पुस्तिकाओं को एकत्र कर सील किया जाना चाहिए और इसके बाद पुलिसकर्मी की मौजूदगी में संकलन केंद्र तक पहुंचाया जाना चाहिए। लेकिन पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज स्थित संकलन केंद्र पर इसका पालन होता नहीं दिखा। कोई विद्यालय होमगार्ड के साथ कॉपियां लेकर पहुंचा तो कई विद्यालयों के कर्मचारी बिना किसी पुलिसकर्मी या होमगार्ड के ही उत्तर पुस्तिकाएं लेकर स्वयं संकलन केंद्र पर आते दिखे। इतना ही नहीं वह खुले में स्कूटी पर लादकर संकलन केंद्र पर पहुंच रहे हैं। करीब एक घंटे तक संकलन केंद्र पर मौजूद टीम के दौरान 10 विद्यालयों के प्रतिनिधि कॉपियां लेकर पहुंचे, जिनमें से चार लोग बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था के अकेले ही उत्तर पुस्तिकाएं जमा करने आए।

बदलापुर तहसील में गरजा 'सम्पूर्ण समाधान दिवस', डीएम ने दिया सख्त संदेश जनसमस्याओं का हो त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील बदलापुर के सभागार में शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्रशासनिक सख्ती और संवेदनशीलता का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी डा0 दिनेश चंद्र ने की, जबकि पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह भी मौजूद रहे। समाधान दिवस के दौरान फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जनसमस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ग्राम विद्धुआ खुर्द निवासी रामसमुझ ने अपनी जमीन

पर विपक्षी द्वारा अवैध कब्जे की शिकायत की। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी और संबंधित थाना प्रभारी को जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

वहीं बड़ैरी के दान बहादुर यादव ने चकमार्ग पर अवैध कब्जा हटवाने की मांग रखी। जिलाधिकारी ने तहसीलदार को निर्देशित किया कि उसी दिन अतिक्रमण हटवाकर समस्या का समाधान सुनिश्चित किया जाए। थरथरी निवासी राजकुमार ने शिकायत की कि दबंगों द्वारा उनका प्रधानमंत्री आवास नहीं बनने दिया जा रहा है। इस पर जिलाधिकारी ने तहसीलदार और एसएचओ को संयुक्त जांच कर नियमानुसार निस्तारण के निर्देश दिए।

ढेमा बदलापुर निवासी केसरी प्रसाद दुबे ने प्रार्थना पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि उनकी पुत्री दिव्यांग है और उसे दिव्यांगता प्रमाण-पत्र की आवश्यकता है। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को तत्काल प्रमाण-पत्र जारी कराने के निर्देश दिए। साथ ही बालिका की जिजीविषा की सराहना करते हुए उसे अंगवस्त्र व चॉकलेट देकर प्रोत्साहित किया और शीघ्र प्रमाण-पत्र दिलाने का आश्वासन दिया। इस दौरान राजस्व, पुलिस, विकास सहित विभिन्न विभागों से संबंधित कुल ङ्ख शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से कई का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश के साथ अग्रसारित किए गए। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से संवेदनशील प्रकरणों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।

जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसमस्याओं के समाधान में संवेदनशीलता और पारदर्शिता बनाए रखें, ताकि आमजन को त्वरित न्याय मिल सके। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी बदलापुर योगिता सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. प्रभात कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा. गोरखनाथ पटेल, तहसीलदार योगेन्द्र पाण्डेय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इसी क्रम में जनपद की अन्य सभी तहसीलों में भी ह्यसम्पूर्ण समाधान दिवसह्ल का आयोजन कर जनसमस्याओं के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए।

जौनपुर : बक्शा में ग्राम प्रधानों एवं प्रधानाध्यापकों हेतु ब्लॉक स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन

दानिश सिद्दीकी

बक्शा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खंड बक्शा क्षेत्र के अंतर्गत शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से शनिवार, 21 फरवरी 2026 को विकास खण्ड-बक्शा के कृषि विज्ञान केन्द्र (डश्ड) के सभागार में एक भव्य 'ब्लॉक स्तरीय संगोष्ठी एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से ग्राम प्रधानों, स्थानीय प्राधिकारी निकाय के सदस्यों और विद्यालय के प्रधानाध्यापकों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि माननीय सतीश सिंह (वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व प्रत्याशी, मल्हनी विधानसभा) द्वारा किया गया। उनके साथ प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष सरोज सिंह, डॉ मनीष सिंह , विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. सुरेश कुमार कन्नौजिया (निदेशक/वरिष्ठ वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केन्द्र, बक्शा) उपस्थित रहे।अधिकारियों ने ग्राम प्रधानों और प्रधानाध्यापकों के बीच बेहतर तालमेल बिठाने पर चर्चा की, ताकि स्कूलों के बुनियादी ढांचे का कायाकल्प हो सके और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी रवि शंकर यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक सुरेश कनौजिया, उटरू कला ग्राम प्रधान ज्योति यादव, शिक्षक संघ के अध्यक्ष सरोज सिंह, जिला संयुक्त मंत्री शिक्षक संघ शैलेंद्र सिंह, डॉक्टर मनीष सिंह, जिला प्रचार मंत्री सुनील प्रजापति, एआरपी सुशील यादव,ए आरपी शंम्भू, नोडल शिक्षक विजय यादव, लेखाकार जितेंद्र, प्रवीण सिंह , दिनेश यादव, जयप्रकाश यादव, शहनाज, परवीन बानो, उषा यादव, निर्भय सिंह ,शैलेंद्र सिंह संजय सिंह ,वेद प्रकाश सिंह ,वीर सेन यादव, समसुल हक, विघ्नेश यादव, राकेश कुमार सिंह अश्वनी रेखा, गुलाब चंद्र प्रधान सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे।

यूपी माटी कला बोर्ड द्वारा आयोजित कार्यक्रम में डॉ उमेश चंद्र तिवारी समेत अनेक लोगों का सम्मान

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश माटी कला बोर्ड के तत्वाधान में जिला ग्रामोद्योग कार्यालय जौनपुर में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया है। जिसमें 50 माटी कला के कारीगरों को निशुल्क विद्युत चालित चाक व तीन पगमिल वितरित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति, विशिष्ट अतिथि नगर पालिका परिषद जौनपुर की अध्यक्ष श्रीमती मनोरमा मौर्य थी। उन्होंने अपने संबोधन में केंद्र सरकार द्वारा समाज के गरीब असहाय जरूरतमंद लोगों के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। यह भी कहा कि उद्योग विभाग से लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए समय-समय पर तमाम कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। समारोह में सुइथाकला विकासखंड के ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ उमेश चंद तिवारी ने इस कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलेगी। प्रदेश की योगी सरकार की यह सबसे अच्छी और सफल योजना है इसका प्रचार प्रसार गांव-गांव में करने की जरूरत है। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि श्री तिवारी ने कहा कि प्रदेश सरकार की तमाम योजनाओं के चलते जिला उद्योग केंद्र से लोगों को भारी भरकम मदद हो रही है। लोगों को उनके गांव में ही स्वरोजगार मिल रहा है। इसके चलते अब युवाओं को महानगरों की और जाने की जरूरत नहीं है। डिप्टी कमिश्नर इंडस्ट्रीज आशुतोष सहाय पाठक ने उद्योग विभाग की ओर से चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से चर्चा किया। इसके पहले मुख्य अतिथि का स्वागत बुके और स्मृति चिन्ह देकर किया गया। इस मौके पर वाराणसी मंडल के परीक्षेत्रीय ग्राम उद्योग अधिकारी यूपी सिंह, उपायुक्त जिला उद्योग केंद्र जौनपुर बीके सिंह , सहायक विकास अधिकारी विनोद कुमार पाण्डेय , वरिष्ठ सहायक दीपक कुमार सोनी, ग्राम उद्योग अधिकारी प्रकाश चंद्र श्रीवास्तव, लिपिक उमेश चंद्र मिश्रा, राममिलन प्रजापति, दिनेश प्रजापति, मोहन प्रजापति समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

बिहार एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस वाईफ्स एसोसिएशन ने किया होली मिलन समारोह का आयोजन

पटना (उत्तरशक्ति)। इनकम टैक्स चौराहा स्थित बिहार प्रशासनिक सेवा संघ भवन (बासा भवन) में बिहार एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस वाईफ्स एसोसिएशन द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि पटना की मेयर सीता साहू ने किया। कार्यक्रम में महिलाओं ने रंग - बिरंगे परिधानों में होलिया में उड़े रे गुलाल, रंग बरसे जैसे होली के गीतों पर जमकर मस्ती की और रंग - गुलाल उड़ाए। कार्यक्रम में महिलाओं ने डांस, म्यूजिक, मस्ती, फन गेम्स के साथ ही रैंप वॉक भी किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मेयर सीता साहू ने उपस्थित सभी महिलाओं को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि होली आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक समरसता का पर्व है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का

संचार करते हैं और महिलाओं को एक-दूसरे से जुड़ने का सशक्त मंच प्रदान करते हैं।

वहीं बिहार एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस वाईफ्स एसोसिएशन की अध्यक्ष नीलू कुमारी ने अपने संबोधन में सभी अतिथियों और सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि यह समारोह केवल उत्सव नहीं, बल्कि आपसी सहयोग और आत्मीयता को मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने संगठन की गतिविधियों की जानकारी देते हुए भविष्य में भी सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को निरंतर आयोजित करने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में एसोसिएशन की सचिव राखी, कोषाध्यक्ष छाया, सदस्य सुनीता, कविता, मोनिका भारती, विशाखा, निहारिका वर्मा,अर्चना, पूनम, राधा, श्वेताम्बरी , प्रिया, खुशबू, सुषमा, मंजू,प्रीति वर्मा सहित एसोसिएशन से जुड़ी सभी महिलाएं मौजूद रही।

डीसीएम ऑटो की आमने सामने टक्कर, ऑटो चालक घायल

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय कस्बे में जौनपुर रोड पर स्थित पंजाब नेशनल बैंक के पास शनिवार की सुबह लगभग 10बजे डीसीएम ऑटो की आमने सामने टक्कर हो गई जिसमें ऑटो चालक बुरी तरह घायल हो गया आस पास के लोगों ने निजी अस्पताल पहुंचाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लाल रंग की डीसीएम शाहगंज की तरफ से जौनपुर की तरफ जा रही थी तभी उक्त स्थान पर सामने से आ रही ऑटो में सीधी टक्कर हो गई टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो पीछे से आ रही ई रिक्शा में टक्कर मारते हुए सड़क किनारे नाली में जा गिरा और चालक हसीबुद्दीन 45पुत्र सरफुद्दीन निवासी जमदहा बुरी तरह घायल हो गए आस पास के लोगों ने कस्बे के एक निजी अस्पताल पहुंचाया वही ई रिक्शा चालक मोहम्मद असलम निवासी ढडवारा को भी मामूली चोट आई है। और घटना में ई रिक्शा व ऑटो दोनों बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। डीसीएम सहित चालक फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है।

जौनपुर के राष्ट्रीय पहलवान धनंजय यादव के छोटे भाई का आकस्मिक निधन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अत्यंत दुखद और हृदय विदारक समाचार शनिवार को जौनपुर जिले के धमार्पुर ब्लॉक, ग्राम मोहद्दीनपुर ने अपना एक होनहार बेटा खो दिया। हमारे राष्ट्रीय पहलवान धनंजय यादव के छोटे भाई का एक भीषण सड़क हादसे के बाद लखनऊ में इलाज के दौरान निधन हो गया। इस दुखद घटना से पूरे क्षेत्र में मातम पसर गया है। पार्थिव शरीर शाम 4 बजे घर आएगा। यह सुनकर हृदय बहुत भारी है। मृत्यु सत्य है, लेकिन इस तरह अचानक आपका साथ छोड़ देना परिवार के लिए एक असहनीय पीड़ा है। हम सभी इस दुख की घड़ी में शोकाकुल परिवार के साथ खड़े हैं और ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को शांति मिले और परिवार को यह वज्रपात सहने की शक्ति प्रदान करें।

जौनपुर के लाल डॉ. पुष्पेंद्र यादव ने रचा इतिहास

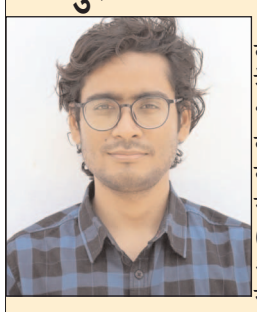

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कहते हैं कि अगर इरादे मजबूत हों और सपनों में जान हो, तो गाँव की पगडंडियों से निकलकर भी आसमान छुआ जा सकता है। ऐसा ही कुछ कर दिखाया है जौनपुर जिले के थाना गौरा बादशाहपुर के अंतर्गत आने वाले एक छोटे से गाँव 'कुछमुछ' के निवासी डॉ. पुष्पेंद्र यादव (MBBS, MD) ने। उन्होंने न केवल अपनी डॉक्टरी की पढ़ाई पूरी की, बल्कि बाल रोग विशेषज्ञ (Pediatrician) बनकर अपने गाँव, क्षेत्र और पूरे जौनपुर जिले का मान बढ़ाया है। आज 'कुछमुछ' गाँव एक बार फिर गर्व से ऊँचा हो गया है। आज इस गाँव ने एक नई पहचान बनाई है– अब हर दिल में बसेगा डॉक्टर साहब का नाम। डॉ. पुष्पेंद्र यादव की यह सफलता यह साबित करती है कि यह गाँव अब चिकित्सा के क्षेत्र में एक चमकता सितारा है। डॉक्टर साहब के सपनों ने इस गाँव की तस्वीर बदल दी है और अब हम एक बेहतर कल की ओर बढ़ रहे हैं। डॉ. पुष्पेंद्र ने इस गाँव में आशा की एक नई किरण जगाई है। डॉक्टर साहब, आपने जो मिसाल कायम की है, वह सिर्फ आपकी व्यक्तिगत जीत नहीं है, बल्कि इस पूरे गाँव का भविष्य बदलने वाली प्रेरणा है। आपका डॉक्टर बनना इस गाँव के लिए एक बड़ी मिसाल है। आपने सीमित संसाधनों के बावजूद कड़ी मेहनत की और सबके सपनों को सच करने की राह दिखाई है। आपकी यह उपलब्धि जौनपुर के हर उस युवा के लिए संदेश है जो अपनी आँखों में बड़े सपने संजोए हुए है।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर एफआईआर के आदेश

सुरेश गांधी

प्रयागराज(उत्तरशक्ति)। यौन शोषण से जुड़े गंभीर आरोपों के मामले में बड़ा न्यायिक घटनाक्रम सामने आया है। प्रयागराज की एडीजे रेप एवं पॉक्सो स्पेशल कोर्ट ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य स्वामी मुकुंदानंद गिरी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर निष्पक्ष जांच कराने के निर्देश दिए हैं। अदालत के आदेश के बाद झूंसी थाना पुलिस अब विधिक प्रक्रिया के तहत कार्रवाई शुरू करेगी। एडीजे पॉक्सो एक्ट के न्यायाधीश विनोद कुमार चौरसिया ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि दोनों आरोपियों के विरुद्ध लगाए गए आरोप गंभीर प्रकृति के हैं, इसलिए विधिक रूप से मुकदमा दर्ज कर निष्पक्ष जांच कराना आवश्यक है। अदालत के निर्देश के बाद मामले ने धार्मिक और सामाजिक दोनों स्तरों पर चर्चा तेज कर दी है।

यह मामला उस समय सामने आया जब शाकुंभरी पीठाधीश्वर एवं श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट से जुड़े आशुतोष ब्रह्मचारी ने 28 जनवरी को अदालत में धारा 173(4) के तहत आवेदन देकर एफआईआर दर्ज करने की मांग की। आवेदन में आरोप लगाया गया कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के आश्रम में नाबालिग बच्चों के साथ यौन उत्पीड़न की घटनाएं हुई हैं। आशुतोष ब्रह्मचारी ने अदालत को एक सीडी सौंपने का भी दावा किया, जिसमें कथित तौर पर संबंधित सामग्री होने की बात कही गई।

मामले की सुनवाई के दौरान 13 फरवरी को आरोप लगाने वाले दो नाबालिगों के बयान अदालत में वीडियोग्राफी के साथ दर्ज किए गए। कोर्ट ने इस दौरान पुलिस की प्रारंभिक रिपोर्ट को भी संज्ञान में लिया और सुनवाई पूरी होने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था। अब अदालत ने सभी तथ्यों पर विचार करते हुए एफआईआर दर्ज करने का निर्देश जारी कर दिया है।

अदालत के आदेश के बाद झूंसी थाना पुलिस ने मामले में कानूनी प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। सूत्रों के अनुसार, एफआईआर दर्ज करने के बाद बयान, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की जांच और संबंधित व्यक्तियों से पूछताछ की जाएगी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अदालत के निदेर्शों के अनुरूप निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाएगी। माना जा रहा है कि इस आदेश के बाद स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के सामने कानूनी चुनौतियां बढ़ सकती हैं और आने वाले दिनों में जांच की दिशा के आधार पर मामला और गंभीर रूप ले सकता है।